रांची, सोमवार, 14 सितंबर 2026

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

संवत 2083, भाद्रपद शुक्ल 3 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 10 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ▸▸हिंदी दिवस : देवनागरी का लोप, अस्तित्व के चुनौती

शाहरुख-सलमान से लेकर सैफ तक, बप्पा की भक्ति में डूबे सेलेब्स ◂◂ 6

कोकर डिस्टलरी पार्क के तालाब में डूबकर एक व्यक्ति की मौत

नहाने के दौरान हुआ हादसा

मेट्रो रेज

रांची: राजधानी रांची के सदर थाना क्षेत्र के कोकर डिस्टलरी पार्क में सोमवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां पार्क परिसर में स्थित तालाब में नहाने के दौरान एक व्यक्ति की पानी में डूबने से मौत हो गई। मृतक की उम्र करीब 50 वर्ष बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, व्यक्ति सोमवार सुबह तालाब में नहाने के लिए उतरा था। नहाने के दौरान वह गहरे पानी में चला गया और खुद को संभाल नहीं पाया, जिससे डूबने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए शव को पानी से बाहर निकलवाया।

सदर थाना प्रभारी कुलदीप ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मृतक की पहचान कर ली गई है। मृतक व्यक्ति का नाम धनेश्वर है और वह सदर थाना क्षेत्र के हैदर नगर का रहने वाला था। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया है और मृतक के परिजनों को इस हादसे की सूचना दे दी गई है। परिवार वाले आ रहे हैं और उनसे भी पूछताछ करने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल टीम घटनास्थल पर पहुंची है और जांच में जुटी हुई है।

घाटी में पहले भी हो चुके हैं कई सड़क हादसेः कोडरमा घाटी में इससे पहले भी तेज रफ्तार और वाहनों की आमने-सामने टक्कर के कारण कई सड़क हादसे हो चुके हैं। रात के समय घाटी में भारी वाहनों की आवाजाही के बीच इस तरह की दुर्घटनाएं लोगों की चिंता बढ़ाती हैं। ताजा हादसे के बाद पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

एनडीआरएफ को बुलाने की मांग को लेकर लोगों ने डिस्टलरी पुल के पास किया रोड जाम

रांची: डिस्टलरी पार्क के तालाब में नहाने के दौरान कोकर के हैदर गली के निवासी 50 वर्षीय धनेश्वर की मौत हो गयी । एनडीआरएफ को बुलाकर शव निकालने की मांग को लेकर आसपास के लोगों ने डिस्टलरी पुल के समीप घंटो रोड जाम कर दिया। जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गयी। इस दौरान अपने आप पानी से शव ऊपर आ गया। इधर सूचना मिलने के बाद सदर थाना प्रभारी अपने सदल-बल के वहां पहुंचे और लोगों के समझा कर मामला शांत कराया।

प्रशासनिक प्रतिक्रिया और शव का स्वतः बाहर आनाः शव का पंचानामा कर पोस्टमार्टम में भेजने की कार्रवाई की जा रही थी। इधर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार ने बताया शव नहीं मिलने पर एनडीआरएफ को बुलाने के लिए सारी प्रक्रिया कर दी गयी थी। एसएसपी राकेश रंजन व एसडीओ को पत्र भेज दिया गया था। एनडीआरएफ को बुलाने के लिए उच्च अधिकारी द्वारा एनडीआरएफ के अधिकारी को पत्र भेजा जाता है। स्वीकृति मिलने के बाद एनडीआरएफ की टीम पहुंचती है। हालांकि एनडीआरएफ की आवश्यकता नहीं पड़ी शव अपने आप ही पानी से ऊपर आ गया। उसके बाद सारे लोग वहां से हट गये और जाम समाप्त हो गया।

कोडरमा घाटी में भीषण सड़क हादसा हादसा दो ट्रेलर आपस में भिड़े, एक ड्राइवर की मौत

कोडरमा: घाटी में रविवार की देर रात करीब दो बजे भीषण सड़क हादसा हुआ। मेघातरी कालीमंडा के समीप दो ट्रेलर की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई टक्कर इतनी भयानक थी कि दोनों वाहनों का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में एक ट्रेलर चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

रात करीब दो बजे हुआ हादसाः बताया जाता है कि घटना रविवार की रात करीब दो बजे की है। कोडरमा घाटी के मेघातरी कालीमंडा के समीप दोनों ट्रेलर आमने-सामने आ गए। इसके बाद दोनों वाहनों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

चालक की दर्दनाक मौतः हादसा इतना भीषण था कि एक ट्रेलर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर के कारण चालक का शरीर दो हिस्सों में अलग हो गया। वहीं, दोनों ट्रेलर का अगला हिस्सा भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

मालगाड़ी की चपेट में आकर व्यक्ति की मौत

लातेहारः सीआईसी सेक्शन के बरकाकाना बरवाडीह रेलखंड में एक मालगाड़ी की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। उसका शव डाउन रेल लाइन पर पाया गया। घटना रविवार की मध्यरात्रि बरवाडीह थाना क्षेत्र के उकामाड़ ग्राम के समीप की है। हालांकि शव की शिनाख्त अभी तक नहीं हो पाई है।

बताया जा रहा है कि देर रात डाउन रेल लाइन से एक मालगाड़ी गुजर रही थी, इसी दौरान उकामाड़ के पास उक्त व्यक्ति मालगाड़ी की चपेट में आ गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे एवं स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर कर मामले की जांच शुरू की। पुलिस घटना के कारणों और मृतक की पहचान के लिए प्रयास कर रही है। आसपास के गांवों में सूचना दी गई है।

गैंगस्टर प्रिंस खान का भाई बंटी खान कोलकाता से गिरफ्तार

फर्जी दस्तावेजों के आधार पर दुबई भागने की फिराक में था बंटी खान

मेट्रो रेज

धनबादः जिला पुलिस ने पश्चिम बंगाल पुलिस के सहयोग से एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए वासेपुर के कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान के भाई बंटी खान को कोलकाता से धर दबोचा। बंटी खान फर्जी दस्तावेजों के आधार पर दुबई भागने की फिराक में था, लेकिन उड़ान भरने से ठीक पहले पुलिस ने उसे पकड़ लिया। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने उसके पास से वैध और फर्जी पासपोर्ट और वीजा भी बरामद किया है। बंटी खान पर हत्या, रंगदारी, आर्म्स एक्ट और आपराधिक साजिश रचने जैसे एक दर्जन से भी अधिक संगीन मामले दर्ज हैं। पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश में छापेमारी कर रही थी। दुबई भागने की थी पूरी तैयारःपुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बंटी खान कोलकाता में छुपा हुआ है और वहां से अंतरराष्ट्रीय उड़ान पकड़कर दुबई भागने की योजना बना रहा है। सूचना मिलते ही धनबाद पुलिस की एक विशेष टीम ने कोलकाता में दबिश दी और स्थानीय पुलिस की मदद से उसे गिरफ्तार कर लिया।

एयरपोर्ट से पहले भी हो चुकी है गिरफ्तारीः बंटी खान से पहले धनबाद पुलिस ने प्रिंस खान गिरोह के मुख्य गुर्गे मेजर उर्फ सैफी। को भी कोलकाता एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया था, जो दुबई भागने की कोशिश कर रहा था। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि प्रिंस खान के भाई बंटी खान की गिरफ्तारी से वासेपुर गिरोह के वित्तीय लेनदेन और रंगदारी नेटवर्क को गहरा झटका लगेगा। फिलहाल धनबाद पुलिस बंटी खान को ट्रांजिट रिमांड पर धनबाद लाने की कानूनी प्रक्रिया पूरी कर रही है। उससे पूछताछ के बाद गिरोह के अन्य सदस्यों और विदेश में बैठे प्रिंस खान के नेटवर्क के बारे में कई बड़े खुलासे होने की उम्मीद है।

एचईसी के पूर्व जीएम व पूर्व नगर प्रशासक मृत्युंजय उपाध्याय का निधन

रांची: हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन (एचईसी) में महाप्रबंधक (जीएम) के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके तथा रांची के पूर्व नगर प्रशासक मृत्युंजय उपाध्याय का निधन हो गया। उनके निधन की सूचना एचईसी एक्जीक्यूटिव एसोसिएशन के जोगिंदर सिंह ने दी।

मृत्युंजय उपाध्याय एचईसी से लंबे समय तक जुड़े रहे और संस्थान के महत्वपूर्ण पदों पर अपनी जिम्मेदारियां निभाईं। एचईसी के पूर्व महाप्रबंधक के रूप में उन्होंने निगम के प्रशासनिक एवं कार्य संचालन से जुड़े विभिन्न दायित्वों का निर्वहन किया। इसके अलावा उन्होंने रांची के नगर प्रशासक के रूप में भी अपनी सेवाएं दी थीं।

उनके निधन की खबर सामने आने के बाद एचईसी से जुड़े अधिकारियों, कर्मचारियों, पूर्व कर्मियों और परिचितों में शोक की लहर है। सहकर्मियों ने उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताते हुए शोक व्यक्त किया। लोगों ने कहा कि मृत्युंजय उपाध्याय अपने कार्यों और व्यवहार के कारण लंबे समय तक लोगों के बीच याद किए जाते रहेंगे।

एचईसी एक्जीक्यूटिव एसोसिएशन की ओर से भी उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया गया है। एसोसिएशन के जोगिंदर सिंह ने उनके निधन की जानकारी देते हुए शोक संवेदना प्रकट की। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

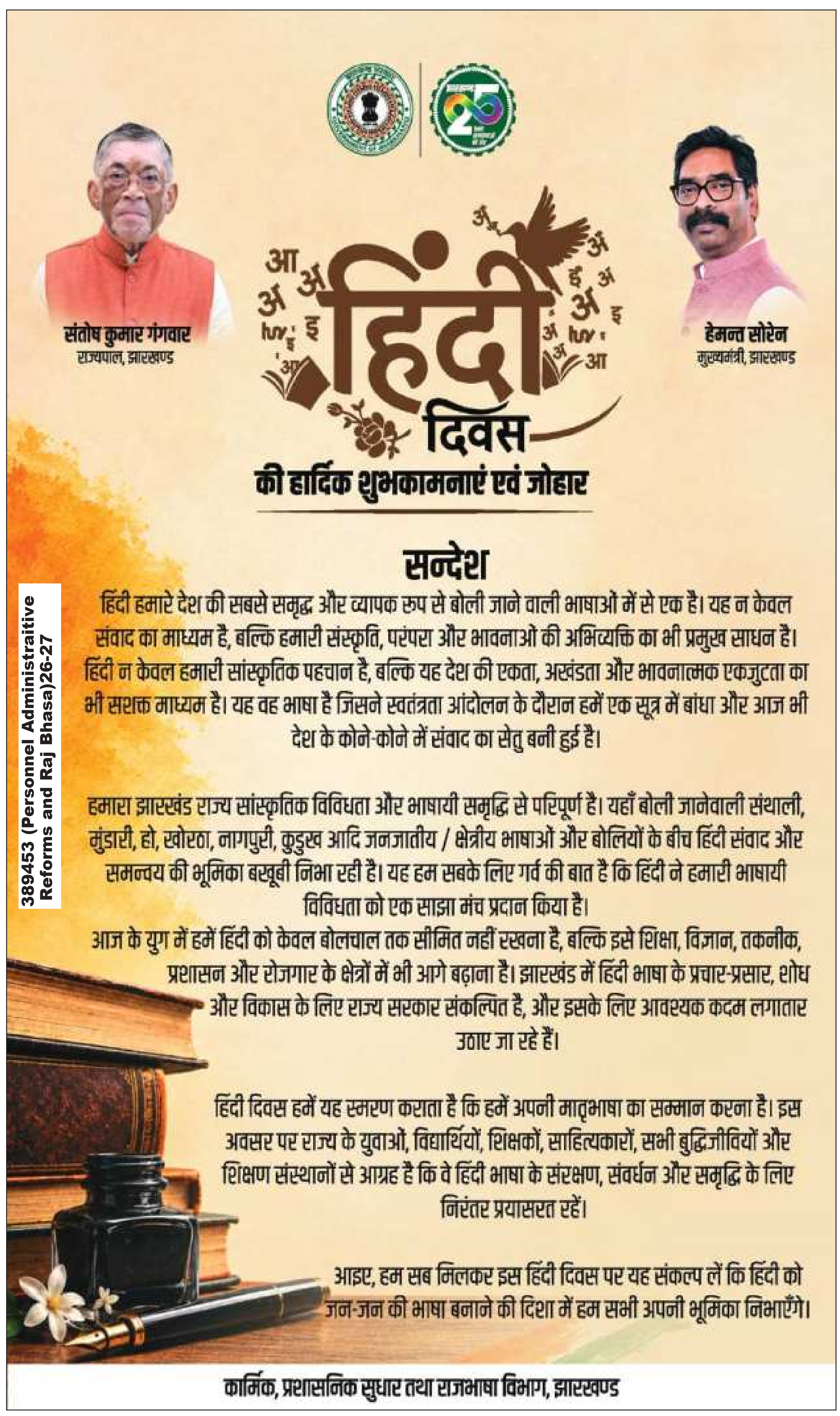

कुएं में गिरा हाथी का बच्चा, तीन घंटे बाद सुरक्षित निकाला गया

रेस्क्यू अभियान को खड़े होकर देखता रहा दो हाथी

संवाददाता

]3

रांची/खूंटीः जिले में रविवार देर रात एक ऐसा रेस्क्यू देखने को मिला, जिसने इंसान और वन्यजीवों के बीच संवेदनशील रिश्ते की तस्वीर सामने रख दी। तोरपा प्रखंड के पड़ा गीढुंग गांव में एक हाथी का बच्चा खेत के कुएं में गिर गया। बच्चे को बचाने के लिए वन विभाग की टीम ने करीब 3 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। इस दौरान दो बड़े हाथी कुएं के पास ही डटे रहे और लगातार अपने बच्चे पर नजर बनाए रखी।

रविवार रात करीब 11 बजे हाथियों का झुंड जंगल की ओर जा रहा था। इसी दौरान एक नन्हा हाथी रास्ता भटक गया और खेत में बने कुएं में जा गिरा। बच्चे के कुएं में गिरते ही हाथियों का झुंड चिंघाड़ने लगा। आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने टॉर्च और मशाल की रोशनी में देखा कि हाथी का बच्चा कुएं में फंसा हुआ है।

वन विभाग ने किया रेस्क्यूः घटना की जानकारी वन विभाग को दी गई। वनपाल अविनाश लुगुन के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची। लेकिन रेस्क्यू टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती सिर्फ कुएं से बच्चे को निकालना नहीं था। क्योंकि कुएं के पास दो बड़े हाथी पहले से डटे हुए थे। ऐसे में टीम को काफी सावधानी से रेस्क्यू शुरू करना पड़ा।

वनपाल अविनाश लुगुन के मुताबिक, शुरूआत में माहौल काफी तनावपूर्ण था। टीम को डर था कि हाथी रेस्क्यू में किसी तरह की परेशानी खड़ी कर सकते हैं। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। टीम जैसे-जैसे आगे बढ़ती गई, दोनों हाथी शांत खड़े रहे और अपने बच्चे के बाहर निकलने का इंतजार करते रहे।

जेसीबी की मदद से बच्चे को बाहर निकालाः बच्चे को बाहर निकालने के लिए दो जेसीबी मशीनों की मदद ली गई। कुएं के किनारे की मिट्टी काटकर एक रास्ता बनाया गया, ताकि हाथी का बच्चा उस रास्ते से बाहर निकल सके। करीब 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आखिरकार बच्चे को सुरक्षित कुएं से बाहर निकाला गया। बच्चे के बाहर आते ही मौके पर मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली। इसके बाद जो तस्वीर सामने आई, उसने सभी का ध्यान खींच लिया। कुएं के पास खड़े दोनों बड़े हाथी अपने बच्चे को सुरक्षित देखकर काफी देर तक वहीं रहे।

वनपाल के मुताबिक, दोनों हाथियों की भाव-भंगिमा ऐसी थी, जैसे वे रेस्क्यू टीम का शुक्रिया अदा कर रहे हो। इसके बाद दोनों हाथी अपने बच्चे के साथ शांति से जंगल की ओर लौट गए। इस रेस्क्यू ऑपरेशन में वनपाल अविनाश लुगुन के साथ राहुल महतो, सुनील टोपनो, आनंद मुंडा, कमलेश सिंह बिंझिया और स्थानीय ग्रामीणों ने भी अहम भूमिका निभाई।

न्यूज IN ब्रीफ

सात साल पुराने मामले में फरार वारंटी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

चतरा : पुराने मामलों के फरार ,वारंटियों के खिलाफ हंटरगंज थाना पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में पुलिस ने सात साल पुराने मामले में फरार चल रहे वारंटी अभियुक्त मनोज भुइयां (35 वर्ष) को तरवागड़ा गांव से रविवार को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे चतरा मंडल कारा भेज दिया गया।पुलिस के अनुसार, मनोज भुइयां हंटरगंज थाना कांड संख्या 71/2017 का वारंटी अभियुक्त है। यह मामला वर्ष 2017 में धारा 341, 323, 325 एवं 504 भादवि के तहत दर्ज किया गया था।मामले का जीआर नंबर 1452/2017 है।गिरफ्तार मनोज भुइयां तरवागड़ा गांव निवासी है। उसके पिता का नाम तिलो भुइयां उर्फ तिलक भुइयां बताया गया है। पुलिस लंबे समय से लंबित वारंटों के निष्पादन को लेकर फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चला रही है।इसी अभियान के तहत पुलिस को यह सफलता मिली।पुलिस की इस कार्रवाई से पुराने मामलों में फरार चल रहे वारंटियों में हड़कंप की स्थिति है। पुलिस का कहना है कि लंबित वारंटों के निष्पादन को लेकर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

बिना कोचिंग मुश्किल को हराकर यूजीसी नेट में पाई सफलता

चतराः कठिन परिश्रम करने वाले कभी सफलता के मोहताज नहीं होते।बल्कि सफलता स्वयं उसके सामने दस्तक देती है कुछ ऐसा ही कथन चरितार्थ हुआ चतरा शहर के अव्वल मोहल्ला निवासी आरती कुमारी के साथ। जी हां आरती ने अपने पहले प्रयास में ही यूजीसी नेट परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। बिना किसी कोचिंग की सहायता लिए घर पर रहकर ही जीवन विज्ञान विषय में नेट परीक्षा में उत्तीर्ण होना बड़ी उपलब्धि है। आरती सिविल कोर्ट में सहायक के पद पर कार्यरत सुनील शर्मा की पुत्री है । आरती ने प्रारंभिक से लेकर उच्च शिक्षा चतरा में रहकर ही प्राप्त कि है। उसने अपने सफलता का श्रेय अपनी मां प्रतिमा शरण और गुरुजनों को दिया है।

केदली कला में श्रद्धापूर्वक मनाया गया पहला प्रकाश गुरुपर्व

चतरा : हंटरगंज प्रखंड के केदली कला स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में रविवार को श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज का पहला प्रकाश गुरुपर्व एवं श्री गुरु अर्जन देव जी महाराज का गुरु गद्दी दिवस श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया।इस अवसर पर श्री सुखमनी साहिब जी का पाठ, विशेष कीर्तन दरबार और अरदास का आयोजन हुआ। बड़ी संख्या में साध संगत ने गुरुद्वारा पहुंचकर मत्था टेका और गुरबाणी-शबद कीर्तन का आनंद लिया। कार्यक्रम के अंत में क्षेत्र की सुख-शांति और सरबत के भले की अरदास की गई।कार्यक्रम को सफल बनाने में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान बलजीत सिंह, सचिव नंदकिशोर सिंह, पूर्व सचिव ज्ञान सिंह, समरजीत सिंह, सतपाल सिंह सहित माता गुजरी सेवा समिति और बाबा दीप सिंह सेवा समिति के सेवादारों का योगदान रहा।

जतराहीबाग में सिटी कार्ट का हुआ शुभारंभ, सांसद ने किया उद्घाटन

चतरा : शहर के जतराहीबाग स्थित सिटी कार्ट मॉल का सोमवार को चतरा लोकसभा के सांसद कालीचरण सिंह ने नारियल फोड़कर, दीप प्रज्ज्वलित एवं फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर सांसद ने प्रतिष्ठान के संचालक एवं पूरी टीम को नए व्यवसाय की शुरूआत के लिए शुभकामनाएं दीं। सांसद कालीचरण सिंह ने कहा कि चतरा शहर में नए प्रतिष्ठानों का खुलना क्षेत्र के विकास के साथ-साथ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करता है। ऐसे प्रतिष्ठानों से शहरवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होती हैं और उन्हें खरीदारी के लिए दूसरे शहरों का रुख नहीं करना पड़ता है। उन्होंने सिटी कार्ट के संचालक एवं पूरी टीम के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि प्रतिष्ठान आने वाले समय में चतरा के लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरे और लगातार प्रगति करे। उद्घाटन समारोह में चतरा विधायक जनार्दन पासवान, सांसद प्रतिनिधि विनय सिंह, संजीत सिंह उर्फ पप्पू, राजेंद्र प्रसाद सहित कई गणमान्य लोग एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

बिना दवाइयों के भी शरीर को निरोगी रखा जा सकता हैः अरुण ऋषि

रांची ः झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन और मारवाड़ी सहायक समिति के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को हरमू रोड स्थित मारवाड़ी भवन में ह्यजीवन जीने की कलाह्ल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें उज्जैन से आए प्रेरणास्त्रोत अरुण ऋषि ने उपस्थित लोगों को स्वस्थ जीवनशैली और स्वास्थ्य लाभ के व्यावहारिक उपाय बताए। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से 15 सेकंड ताली बजाकर बिना दवाइयों के भी शरीर को निरोगी रखा जा सकता है। दिनचर्या को व्यवस्थित करने पर जोर देते हुए उन्होंने बिना टूथपेस्ट, चाय-कॉफी, शैंपू और शेविंग के भी प्राकृतिक रूप से स्वस्थ व सुंदर रहने के गुर सिखाए। कार्यक्रम में प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया, प्रमोद सारस्वत ने मंच संचालन और ललित कुमार पोद्दार ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

छोटानागपुर काश्तकारी कानून की आड़ में सरकारी भूमि पर कब्जे का खेल

गोपदा-खधैया कोल रोड पर गहराया विवाद

झामुमो केंद्रीय कमिटी सदस्य मनोज चंद्रा ने उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर जताया विरोध

नदी, पर्यावरण और भारी वाहनों से हादसे का खतरा, उपायुक्त से जांच की मांग

चंद्रेश शर्मा

चतराः गोपदा टीएलएस (ट्रांसपोर्टिंग लोडिंग स्टेशन) से स्टेट हाईवे स्थित टंडवा के खधैया पुल तक प्रस्तावित कोल ढुलाई सड़क के निर्माण को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। सड़क निर्माण में सरकारी भूमि, रैयती भूमि, सड़क भूमि, वनक्षेत्र तथा नदी क्षेत्र के कथित इस्तेमाल और अतिक्रमण को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। इसके साथ ही भारी वाहनों के परिचालन से पर्यावरण प्रदूषण, सड़क दुर्घटना और आम लोगों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जाहिर की गई है। इस मामले को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सदस्य एवं वरिष्ठ नेता मनोज कुमार चंद्रा ने चतरा उपायुक्त को लिखित आवेदन देकर पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि जय अंबे रोड लाइंस (जेएआरएल) द्वारा गोपदा टीएलएस से स्टेट हाईवे तक कोल ढुलाई सड़क निर्माण के क्रम में गैरमजरूआ सरकारी भूमि सहित अन्य श्रेणी की भूमि का कथित रूप से इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन से भूमि की प्रकृति, सड़क निर्माण की अनुमति तथा संबंधित दस्तावेजों की जांच कराने की मांग की है।

गैरमजरूआ भूमि पर सड़क निर्माण से सरकारी संपत्ति को नुकसानः आवेदन में टंडवा अंचल कार्यालय के पूर्व पत्र का हवाला देते हुए मौजा वृन्दा स्थित खाता संख्या 29 के प्लॉट संख्या 329 एवं 333 का उल्लेख किया गया है। आवेदन के अनुसार उक्त दोनों भूखंडों का क्षेत्रफल क्रमशः 1.18 एकड़ और 3.28 एकड़ है तथा सर्वे खतियान में इन्हें गैरमजरूआ खास किस्म परती कदीम के रूप में दर्ज बताया गया है। आवेदनकर्ता का आरोप है कि उक्त भूमि पर सड़क निर्माण के उद्देश्य से खुदाई अथवा अन्य कार्य किए जाने से सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचने की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने इस बात की जांच की मांग की है कि संबंधित भूमि पर निर्माण कार्य के लिए किस स्तर से अनुमति प्राप्त की गई थी और क्या निर्माण से पहले भूमि की वैधानिक स्थिति का सत्यापन कराया गया था। पत्र में अंचल टंडवा के ज्ञापांक 771, दिनांक 18 अगस्त 2026 का भी हवाला दिया गया है। इसमें गोपदा टीएलएस से स्टेट हाईवे तक प्रस्तावित सड़क पर भविष्य में भारी वाहनों का दबाव बढ़ने, सड़क दुर्घटनाओं की आशंका और प्रदूषण की समस्या उत्पन्न होने की संभावना व्यक्त किए जाने की बात कही गई है।

वैकल्पिक मार्ग का भी सुझावः आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि गोपदा टीएलएस से निकलने वाली सड़क को चतरा की ओर स्थित खधैया पुल से जोड़ने के बजाय बड़कागांव-जुगरा-चापा होते हुए बेंदी स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग की दिशा में जोड़ने पर भी विचार किया गया था। आवेदनकर्ता का कहना है कि सड़क के अंतिम स्वरूप का निर्धारण केवल कोयला परिवहन की सुविधा के आधार पर नहीं, बल्कि स्थानीय आबादी, यातायात सुरक्षा, पर्यावरणीय प्रभाव और भविष्य में बढ़ने वाले भारी वाहनों के दबाव को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए।

रैयती भूमि के इस्तेमाल पर भी सवालः झामुमो नेता मनोज कुमार चंद्रा ने अपर समाहर्ता, चतरा के 31 अगस्त 2026 के पत्र का भी हवाला दिया है। पत्र में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908 की धारा 49 के तहत रैयती भूमि को छह वर्षों के लिए रेंट पर लेने की स्वीकृति से संबंधित प्रक्रिया का उल्लेख किए जाने की बात कही गई है। चंद्रा ने आरोप लगाया है कि स्थानीय रैयतों को कथित रूप से गुमराह कर उनकी जमीन का सड़क निर्माण में इस्तेमाल किए जाने की शिकायतों की भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने यह स्पष्ट करने की मांग की है कि संबंधित रैयती भूमि का उपयोग किस वैधानिक प्रक्रिया के तहत किया जा रहा है तथा भूमि मालिकों की सहमति, भुगतान और अन्य कानूनी औपचारिकताएं पूरी की गई हैं या नहीं। उन्होंने सरकारी भूमि हस्तांतरण नीति 2023 के तहत संख्या-2154/रा०, दिनांक 27 जून 2023 के आलोक में निदेशक, भू-अर्जन, भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय की अध्यक्षता वाली समिति से संबंधित नियमों का भी हवाला दिया है। उनका आरोप है कि इन प्रावधानों की अनदेखी कर कंपनी द्वारा सड़क निर्माण का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि, इन आरोपों की वास्तविकता जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

बड़की नदी और पर्यावरण पर भी चिंताः मामले में मौजा बुदा स्थित बड़की नदी की सुरक्षा का मुद्दा भी उठाया गया है। आवेदन में आशंका जताई गई है कि कोयला परिवहन के दौरान उड़ने वाली कोयले की धूल, सड़क निर्माण से निकलने वाला मलबा और वाहनों से होने वाला प्रदूषण नदी के जल, आसपास की कृषि भूमि तथा स्थानीय पर्यावरण को प्रभावित कर सकता है। चंद्रा ने नदी के आसपास सड़क निर्माण और भारी वाहनों के परिचालन से होने वाले संभावित प्रभाव का पर्यावरणीय दृष्टिकोण से आकलन कराने की मांग की है। उनका कहना है कि नदी केवल जलस्रोत नहीं, बल्कि आस-पास के ग्रामीणों, कृषि और पशुधन के लिए भी महत्वपूर्ण है। इसलिए सड़क निर्माण एवं कोयला परिवहन से पहले सुरक्षा मानकों और पर्यावरणीय प्रभावों की समुचित जांच आवश्यक है।

तीखे मोड़ पर भारी वाहनों के परिचालन से हादसे का खतराः आवेदन में बड़की नदी पर बने पुल के समीप सड़क की स्थिति और वहां मौजूद तीखे मोड़ को भी दुर्घटना की दृष्टि से संवेदनशील बताया गया है। झामुमो नेता का कहना है कि यदि इस मार्ग से लगातार भारी कोयला वाहन गुजरते हैं तो यातायात का दबाव काफी बढ़ सकता है। स्थानीय ग्रामीण आबादी और छोटे वाहनों की आवाजाही के बीच भारी वाहनों का परिचालन होने से दुर्घटना की आशंका बढ़ने की बात भी आवेदन में कही गई है। ऐसे में सड़क की चौड़ाई, मोड़ की स्थिति, पुल की क्षमता, सुरक्षा संकेतक, प्रकाश व्यवस्था और भारी वाहनों के परिचालन की व्यवहारिकता की तकनीकी जांच कराने की मांग की गई है।

प्रशासन से उच्चस्तरीय जांच की मांगः झामुमो नेता मनोज कुमार चंद्रा ने उपायुक्त से पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि जांच के दौरान सड़क निर्माण में इस्तेमाल की जा रही सभी जमीनों के राजस्व रिकॉर्ड, भूमि की प्रकृति, निर्माण की अनुमति, संबंधित विभागों की अनापत्ति, पर्यावरणीय प्रावधानों और रैयतों से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जानी चाहिए। उन्होंने सरकारी भूमि पर यदि अवैध अतिक्रमण या बिना अनुमति निर्माण की पुष्टि होती है तो संबंधित कंपनी और जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई करने तथा सरकारी भूमि की सुरक्षा के लिए आवश्यक राजस्व कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने प्रशासन से यह भी आग्रह किया है कि भारी कोयला वाहनों के परिचालन से आम जनता की सुरक्षा, पर्यावरण और स्थानीय परिवहन व्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव का वस्तुनिष्ठ आकलन कराया जाए। कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनीः मनोज कुमार चंद्रा ने बताया कि यह मामला केवल सड़क निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि सरकारी संपत्ति, रैयती अधिकार, पर्यावरण संरक्षण और आम लोगों की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। ऐसे संवेदनशील मामले में प्रशासन को शिकायतों की गंभीरता से जांच कर तथ्यों को सार्वजनिक करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मामले में शीघ्र जांच कर आवश्यक कार्रवाई नहीं की गई तो जनहित के मुद्दे को लेकर व्यापक आंदोलन किया जाएगा। फिलहाल पूरे मामले में प्रशासनिक जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि सड़क निर्माण में लगाए गए आरोपों में कितनी सच्चाई है और संबंधित कंपनी अथवा अन्य पक्षों की भूमिका क्या है।

ड्यूटी के दौरान थाना परिसर में बेहोश होकर गिरे चौकीदार

साथी पुलिसकर्मियों ने आनन-फानन में पहुंचाया सीएचसी

प्राथमिक उपचार के बाद बिहार के गयाजी रेफर

संवाददाता

चतरा : हंटरगंज थाना परिसर में रविवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब ड्यूटी पर तैनात चौकीदार अरुण कुमार पासवान अचानक बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े। घटना करीब दोपहर 12 बजे की बताई जा रही है।चौकीदार के अचानक गिरने के बाद थाना परिसर में मौजूद पुलिसकर्मी और अन्य कर्मी तत्काल उनकी मदद के लिए पहुंचे। आनन-फानन में उन्हें हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं होने पर बेहतर इलाज के लिए गया स्थित मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया।घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस विभाग के अधिकारी भी सक्रिय हो गए और चौकीदार के स्वास्थ्य की लगातार जानकारी लेते रहे। अचानक हुई इस घटना से कुछ देर के लिए थाना परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।चौकीदार के बेहोश होने के पीछे तत्काल कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है।

बारिश में गिरा राहुल यादव का घर

संवाददाता

चतरा : बारिश के बीच हंटरगंज प्रखंड क्षेत्र के घंघरी गांव में एक गरीब परिवार का घर गिर जाने से परिवार के सामने रहने की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। कटिया पंचायत के घंघरी गांव निवासी राहुल यादव, पिता सीरी कालू यादव का घर बारिश के कारण गिर गया। घर गिरने के बाद परिवार को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पीड़ित राहुल यादव ने बताया कि बारिश के कारण उनका घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। घर गिरने से घरेलू सामान को भी नुकसान पहुंचा है। फिलहाल परिवार के सामने सुरक्षित आश्रय की समस्या बनी हुई है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह अपने स्तर से नया घर बनाने में असमर्थ हैं। पीड़ित परिवार का कहना है कि उन्हें अब तक सरकारी आवास योजना का लाभ नहीं मिल पाया है। ऐसे में घर गिरने के बाद उनकी परेशानी और बढ़ गई है। बारिश के मौसम में परिवार को किसी तरह सुरक्षित स्थान पर रहने को मजबूर होना पड़ रहा है।पीड़ित ने प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों से मामले की जांच कर सरकारी आवास उपलब्ध कराने तथा तत्काल राहत सहायता देने की मांग की है। ग्रामीणों ने भी जरूरतमंद परिवार को जल्द सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

अवैध विदेशी शराब की मिनी फैक्ट्री का उद्भेदन, 600 बोतल नकली शराब जब्त

संवाददाता

चतरा : जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त रवि आनंद के निर्देश पर अवैध शराब के निर्माण, भंडारण एवं बिक्री के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत उत्पाद विभाग को बड़ी सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर उत्पाद विभाग की टीम ने वशिष्ठ नगर जोरी थाना अंतर्गत ग्राम पोस्तिया के बरवा टोला में छापामारी कर अनिल यादव के घर संचालित अवैध विदेशी शराब की मिनी फैक्ट्री का उद्भेदन किया।छापामारी के दौरान पता चला कि आरोपी अपने सहयोगियों की मदद से स्पिरिट में कैरेमल एवं एसेंस मिलाकर नकली विदेशी शराब तैयार कर रहा था। तैयार शराब को ब्रांडेड विदेशी शराब की बोतलों में भरकर नकली लेबल एवं होलोग्राम लगाकर बाजार में खपाने की तैयारी की जा रही थी। मौके से 600 बोतल नकली विदेशी शराब, जिसकी कुल मात्रा 227.250 लीटर है, 30 लीटर स्पिरिट और एक मारुति स्विफ्ट कार बरामद की गई। उल्लेखनीय है कि उत्पाद विभाग ने इससे पहले भी 16 अप्रैल 2026 को इसी स्थान पर छापामारी कर अवैध शराब की मिनी फैक्ट्री का उद्भेदन किया था। उस कार्रवाई में 600 लीटर से अधिक अवैध शराब बरामद की गई थी तथा अनिल यादव समेत तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। कार्रवाई के दौरान घटना में संलिप्त आरोपी राहुल कुमार यादव को गिरफ्तार किया गया है, जबकि मुख्य आरोपी अनिल यादव घटनास्थल से फरार हो गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए उत्पाद विभाग द्वारा लगातार छापामारी की जा रही है।मामले में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध झारखंड उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत अभियोग दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि उपायुक्त के निदेर्शानुसार अवैध शराब के निर्माण, भंडारण एवं बिक्री के विरुद्ध सघन अभियान चलाया जा रहा है। आगामी गणेश पूजा एवं करमा पर्व को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा विशेष सतर्कता बरती जा रही है। अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध आगे भी सघन छापामारी और कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। छापेमारी दल में अभिषेक आनंद, अवर निरीक्षक उत्पाद आरक्षी, गृहरक्षक बल, महिला गृहरक्षक सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मी शामिल थे।

सुप्रीम कोर्ट में जेपीएससी व जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा की सीबीआई जांच पर संभावित सुनवाई 19 को

संवाददाता

रांची : जेपीएससी-जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में सीबीआई जांच मुद्दे पर अब 19 सितंबर को सुनवाई होगी। हरिशरण देवगम ने सीबीआई जांच की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायाधीश जॉयमाल्या बागची और न्यायाधीश वी मोहना की पीठ में याचिका की पहली सुनवाई 24 अगस्त को हुई थी। सुनवाई के बाद न्यायालय ने इस मामले में राज्य सरकार, सीबीआई, सीआडी सहित अन्य प्रतिवादियों को नोटिस कर जवाब देने का निर्देश दिया।

साथ ही मामले की अगली सुनवाई के लिए 11 सितंबर की तिथि तय की थी। बाद में 11 के बदले 15 सितंबर को सुनवाई होने की उम्मीद जतायी गयी। अब इस मामले मे 19 सितंबर को सुनवाई होने की उम्मीद है।

हरिशरण की ओर से दायर याचिका में सिर्फ 13वीं जेपीएसी-जेएसएससी परीक्षा की सीबीआई जांच की मांग की गयी है। साथ ही यह भी कहा गया कि मामले में सीआईडी जांच जारी है। उसे सीआईडी जांच पर कोई अपत्ति नहीं है। लेकिन मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच सीबीआई से कराना उचित होगा।

छात्रों का आंदोलन स्थगित हुआ है, खत्म नहीं : रिफॉर्म मंच इस बीच जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म मंच ने सरकार पर आरोप लगाया है कि वह सेग्रिगेशन यानी पृथक्करण की राह पर है। मंच के प्रवक्ता रविंद्र पासवान ने कहा कि सरकार अपने फैसले के पक्ष में अदालत में मजबूती से पक्ष रखे। सरकार को यह नहीं भूलना चाहिए कि छात्रों का आंदोलन सिर्फ स्थगित हुआ है, खत्म नहीं हुआ है। अगर सरकार अदालत में अपना पक्ष मजबूती से नहीं रखती है तो आने वाले दिनों में पहले से भी बड़ा आंदोलन खड़ा किया जायेगा।

जेपीएससी परीक्षा केस : बुद्धेश्वर भगत की जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी, सीआईडी कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

रांची: जेपीएससी परीक्षा घोटाला मामले में जेल में बंद आरोपी बुद्धेश्वर भगत की जमानत याचिका पर सोमवार को रांची स्थित सीआईडी की विशेष अदालत में सुनवाई हुई। अदालत ने उक्क्ऊ और बचाव पक्ष की ओर से प्रस्तुत दलीलों को सुनने के बाद जमानत याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। अब अदालत के निर्णय पर सभी की नजरें टिकी हैं।

बुद्धेश्वर भगत की ओर से अधिवक्ता कुंदर कुमार वर्मा ने जमानत याचिका दाखिल की थी। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने आरोपी को जमानत दिए जाने के पक्ष में अपनी दलीलें रखीं, जबकि उक्क्ऊ की ओर से जमानत का विरोध किया गया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया।

5 अगस्त को सीआईडी ने किया था गिरफ्तारः सीआईडी ने जेपीएससी परीक्षा घोटाला मामले में बुद्धेश्वर भगत को 5 अगस्त 2026 को गिरफ्तार किया था। वह लोहरदगा जिले के बेजवाली गांव का रहने वाला बताया गया है। जानकारी के अनुसार, बुद्धेश्वर भगत वर्ष 2008 से नामकुम स्थित राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय में संविदा पर कंप्यूटर ऑपरेटर के रूप में काम कर रहा था। नौकरी के साथ वह जमीन की खरीद-बिक्री का काम भी करता था।

अभय कुमार तिवारी से संपर्क के बाद बढ़ी नजदीकीः सीआईडी के आरोपों के अनुसार, वर्ष 2022-23 के दौरान बुद्धेश्वर भगत की मुलाकात अभय कुमार तिवारी से हुई थी। बताया जाता है कि अभय तिवारी एनएचएम में आउटसोर्सिंग का काम लेने के सिलसिले में वहां आया था। इसके बाद दोनों के बीच संपर्क बढ़ता गया।

जांच एजेंसी के मुताबिक, दोनों के बीच बढ़े संपर्क और कथित मिलीभगत की कड़ियां जेपीएससी परीक्षा घोटाले से जुड़ी हैं। इसी आधार पर उक्क्ऊ ने मामले की जांच के दौरान बुद्धेश्वर भगत को गिरफ्तार किया था।

फिलहाल जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। अब अदालत के आगामी आदेश से यह स्पष्ट होगा कि बुद्धेश्वर भगत को जमानत मिलती है या उन्हें जेल में ही रहना होगा।

पूजा पंडाल के निर्माण को लेकर चुटिया में सैकड़ो पदाधिकारियों की उपस्थिति में हुआ भूमि पूजन

मेट्रो रेज

रांची: दुर्गा पूजा पंडल के निर्माण को लेकर आज चुटिया में भूमि पूजन कार्यक्रम पूरे धूमधाम से मंदिर पुरोहित काशी नाथ पांडे ने संपन्न कराया । जजमान के रुप में समिति के संरक्षक सुरेश प्रसाद साहू अपनी धर्मपत्नी के साथ,स्थानीय पार्षद एवं समिति के अध्यक्ष संतोष कुमार सोनी,प्रधान महासचिव पंकज प्रसाद,कोषाध्यक्ष अनूप कुमार बर्मन व अन्य संरक्षक- रविन्द्र लाल,सन्तोष कुमार सिन्हा, पवन रंजन खत्री, सतीश वर्मा,सुनील प्रसाद, शिवदाश वर्मा , स्वामी दिव्या नन्द महाराज, वरीय उपाध्यक्ष - अनिल सोनी, डॉ प्रेम कुमार सोनी, सन्तोष सोनी उपाध्यक्ष - रणजीत सोनी,दिलीप साव, त्रिभुवन प्रसाद,

महासचिव अश्विनी कुमार (अधिवक्त), सह कोषाध्यक्ष- ज्वाला प्रसाद सोनी,सचिव

पवन बर्मन , शागर वर्मा के अलावा समाज के अनेक लोगों ने उपस्थित रह कर इस महती कार्यक्रम को सफल बनाया।उपरोक्त जानकारी देते हुए अध्यक्ष संतोष कुमार सोनी ने बताया कि भूमि पूजन के बाद विशाल और भव्य आकर्षक पंडाल को कोलकात्ता के कारीगरों द्वारा बनाने का कार्य प्रारम्भ हुआ।

श्री सोनी ने बताया कि पूजा स्थल में ही कैम्प कार्यालय खोला गया है जहां पर समाज के लोग समिति से सम्पर्क कर सकते हैं।

देवेंद्र नाथ महतो की तबीयत बिगड़ी रांची सदर अस्पताल में भर्ती

रांची: झारखंड में भर्ती परीक्षाओं की कथित अनियमितताओं के खिलाफ लगातार आंदोलन कर रहे देवेंद्र नाथ महतो की अचानक तबीयत बिगड़ गई है। स्वास्थ्य खराब होने के बाद उन्हें रांची के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है।जानकारी के मुताबिक, देवेंद्र नाथ महतो को तेज बुखार के साथ लगातार दस्त, उल्टी और पूरे शरीर में दर्द की शिकायत है। अस्पताल में उनकी जरूरी जांच की जा रही है और रिपोर्ट के आधार पर डॉक्टर इलाज कर रहे हैं। अस्पताल पहुंचने के बाद देवेंद्र नाथ महतो ने अपने साथियों, छात्रों, अभ्यर्थियों, अभिभावकों और शुभचिंतकों से परेशान नहीं होने की अपील की। उन्होंने जल्द स्वस्थ होने के लिए लोगों से आशीर्वाद और शुभकामनाएं बनाए रखने को कहा।

महतो ने यह भी कहा कि स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के बावजूद छात्रों और युवाओं के अधिकार, पारदर्शी भर्ती व्यवस्था और झारखंड के भविष्य को लेकर उनका संघर्ष जारी रहेगा। साथ ही उन्होंने समर्थकों से संयम बनाए रखने की अपील की है। दरअसल, जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ देवेंद्र नाथ महतो पिछले कई दिनों से आंदोलन कर रहे थे। रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से शुरू हुआ आमरण अनशन, विधानसभा घेराव तक पहुंचा। इसके बाद उन्होंने भर्ती व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर 24 जिलों की यात्रा शुरू की, जो 11 सितंबर को पूरी हुई। लगातार आंदोलन और यात्रा के बाद अब उनकी तबीयत बिगड़ने से उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

डोरंडा में पुरानी रंजिश को लेकर 6 राउंड फायरिंग,अल्ताफ अंसारी केस से जुड़ रहे तार

संवाददता

रांची: डोरंडा थाना क्षेत्र के धोबी टोला स्थित उर्दू लाइब्रेरी के पास रविवार रात करीब आठ बजे अपराधियों ने ताबड़तोड़ छह राउंड फायरिंग कर इलाके में दहशत फैला दी। गनीमत रही कि फायरिंग में किसी को गोली नहीं लगी। घटना के बाद दो अपराधी वाहन से मौके से फरार हो गए। अचानक हुई फायरिंग से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

घटना की सूचना मिलते ही डोरंडा, चुटिया और जगन्नाथपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल से छह खोखे बरामद किए हैं। फोरेंसिक टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया। पुलिस ने खोखे जहां-जहां गिरे थे, उन स्थानों को चिह्नित कर घटनास्थल को सील कर दिया। इस दौरान लोगों की आवाजाही भी रोक दी गई।

पुरानी रंजिश में फायरिंग की आशंकाः प्रारंभिक जांच में पुलिस को पता चला है कि दोनों पक्षों के बीच पहले से विवाद चल रहा था। इस मामले में दोनों ओर से प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई थी। कुछ दिन पहले एक पक्ष का एक व्यक्ति जेल से बाहर आया था। पुलिस को आशंका है कि फायरिंग की घटना में उसकी भूमिका हो सकती है। पुलिस ने संदेह के आधार पर कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। फायरिंग की घटना के बाद पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। पुलिस फुटेज के आधार पर फायरिंग करने वाले अपराधियों की पहचान करने में जुटी है।

अल्ताफ अंसारी हत्याकांड से जुड़ रहे फायरिंग के तारः घटना के बाद मौके पर पहुंचे दरगाह कमेटी के जावेद अहमद ने बताया कि परिवार के लोगों के अनुसार अपराधी उन्हें निशाना बनाने के लिए पहुंचे थे। जावेद अहमद और उनकी पत्नी एक साल पहले हुए अल्ताफ अंसारी हत्याकांड के चश्मदीद गवाह हैं। इस मामले में अली, आजमद अहमद और उनके परिवार के कुछ लोग जेल जा चुके हैं। जावेद अहमद ने बताया कि अल्ताफ अंसारी हत्याकांड की सुनवाई के लिए 17 सितंबर को कोर्ट में तारीख निर्धारित है। उनका आरोप है कि गवाही से डराने के लिए अपराधियों ने फायरिंग कर इलाके में दहशत फैलायी है। उन्होंने प्रशासन से अपने और परिवार के सदस्यों की सुरक्षा की मांग की है।

6 खोखे मिलने से बढ़ी पुलिस की सक्रियताः छह राउंड फायरिंग और घटनास्थल से छह खोखे बरामद होने के बाद पुलिस पूरे मामले की अलग-अलग बिंदुओं पर जांच कर रही है। पुलिस पुरानी रंजिश, जेल से बाहर आए व्यक्ति की संभावित भूमिका और फायरिंग से जुड़े अन्य पहलुओं को भी खंगाल रही है। फिलहाल पुलिस आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है।

हरमू में एचडीएफसी के तीसरे बैंक ऑफिस का शुभारंभ

रांची: एचडीएफसी बैंक ने आज रांची के हरमू में झारखंड स्थित अपने तीसरे बैंक ऑफिस का शुभारंभ किया। इसका उद्घाटन झारखंड सरकार के माननीय वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। इस अवसर पर कुमार अभिषेक, रीजनल हेड - बिहार, झारखंड एवं ओडिशा, नितेश नारायण चौधरी, जोनल हेड, सहित बैंक के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पंचवती टावर, हरमू रोड, रांची स्थित यह नया बैकऑफिस बैंक की परिचालन क्षमता को मजबूत करने और ग्राहकों को बेहतर एवं निर्बाध सेवाएं प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा, झारखंड में एचडीएफसी बैंक के तीसरे बैकऑफिस का शुभारंभ राज्य में बैंकिंग सेवाओं के विस्तार और वित्तीय गतिविधियों को और गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे राज्य के लोगों और व्यवसायों तक बेहतर एवं सुगम बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाने में मदद मिलेगी। साथ ही, ऐसे संस्थानों के विस्तार से झारखंड के युवाओं के लिए रोजगार एवं करियर के नए अवसर भी सृजित होंगे। एचडीएफसी बैंक के अधिकारियों एवं पूरी टीम को नए बैकऑफिस के शुभारंभ पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

डोरंडा प्रखंड कांग्रेस कमिटी के पांच वार्ड अध्यक्षों की घोषणा

रांची: रांची महानगर कांग्रेस कमिटी के निदेर्शानुसार डोरंडा प्रखंड कांग्रेस कमिटी के अंतर्गत विभिन्न वार्डों के नवनिर्वाचित/मनोनीत वार्ड अध्यक्षों की सूची जारी की गयी है। प्रखंड अध्यक्ष आवेश अंसारी ने बताया कि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और पार्टी की नीतियों को आम लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से वार्ड अध्यक्षों की जिम्मेदारी तय की गयी है। जारी सूची के अनुसार वार्ड 43 के प्रदीप कुमार, वार्ड 44 के मो। रशीद अली, वार्ड 45 के मो। शाहनवाज आलम (रिंकू), वार्ड 48 के अमित मिंज तथा वार्ड 49 के मो। फैसल अहमद को वार्ड अध्यक्ष बनाया गया है। प्रखंड कांग्रेस कमिटी ने सभी नवनिर्वाचित वार्ड अध्यक्षों से अपने-अपने क्षेत्र में संगठन को मजबूत करने, आम जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने और पार्टी के कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करने का आग्रह किया है।

बिरसा मुंडा जेल में पत्नी की हत्या के आरोपी कैदी ने किया आत्महत्या का प्रयास

मेट्रो रेज

रांची: होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में रविवार दोपहर उस वक्त हड़कंप मच गया, जब अपनी पत्नी की हत्या के आरोप में बंद एक विचाराधीन कैदी ने फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। सुरक्षाकर्मियों की त्वरित कार्रवाई और समय पर अस्पताल पहुंचाए जाने के कारण कैदी की जान बचा ली गई। हालांकि, डॉक्टरों के अनुसार उसकी हालत अब भी गंभीर बनी हुई है।

शौच के बहाने पेड़ पर चढ़कर लगाया फंदा : घटना रविवार दोपहर की है। 1:49 बजे जेल में कैदियों की गिनती के बाद आरोपी रंथु महतो शौच जाने का बहाना बनाकर शौचालय के पीछे चला गया। वह गले में गमछा लपेटे हुए था। वहां पहुंचकर वह अचानक एक पेड़ पर चढ़ गया और दोपहर 1:52 बजे अपने गमछे के सहारे पेड़ की डाल से झूल गया। डाली में हलचल और तेज आवाज होने पर वहां तैनात जेल सिपाहियों का ध्यान उस ओर गया। सुरक्षाकर्मियों ने मुस्तैदी दिखाते हुए उसे तुरंत फंदे से नीचे उतारा और जेल अस्पताल ले गए।

5 मिनट के भीतर ऑक्सीजन, 13 मिनट में अस्पताल रवानाः कैदी की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए जेल के डॉक्टरों ने दोपहर 1:56 बजे उसे तुरंत ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा और एम्बुलेंस से रिम्स भेजने की व्यवस्था की।जेल पुलिस के दो जवान कैदी को लेकर रिम्स के लिए रवाना हुए। दोपहर 2:14 बजे रिम्स के इमरजेंसी वार्ड में डॉक्टरों की टीम ने इलाज शुरू किया। हालत में थोड़ा सुधार होने पर कैदी को न्यूरो सर्जरी विभाग में शिफ्ट किया गया। डॉक्टरों का कहना है कि यदि कैदी को रिम्स पहुंचाने में कुछ मिनटों की भी देरी होती, तो उसकी जान बचाना नामुमकिन था।

दहेज हत्या के मामले में जेल में था बंद : आरोपी रंथु महतो रातू थाना क्षेत्र के काठीटांड़ का निवासी है। उसकी शादी 26 अप्रैल 2024 को नगड़ी निवासी संगीता कुमारी से हुई थी। शादी के 17 महीने बाद, 29 सितंबर 2025 को संगीता का शव उसके घर के आंगन में स्थित कुएं से बरामद हुआ था। मृतका 6 महीने की गर्भवती थी।घटना के बाद संगीता के पिता कृष्णा महतो ने अपने दामाद रंथु महतो समेत पांच लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसके बाद रातू पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रंथु को गिरफ्तार कर बिरसा मुंडा जेल भेज दिया था।

ऑल इंडिया उलमा बोर्ड की बैठक में नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं

निगार सुल्ताना बनीं एजुकेशन विंग की प्रदेश अध्यक्ष, आलम आरा महासचिव

गुलाम शाहिद

रांची : डोरंडा में रविवार को ऑल इंडिया उलमा बोर्ड की बैठक प्रदेश फीमेल विंग की अध्यक्ष मोहतरमा शहनाज खातून की अध्यक्षता में हुई। बैठक में बोर्ड के विस्तार और जनसेवा से जुड़े कार्यों को जिला स्तर तक पहुंचाने पर चर्चा की गई।

इस दौरान मोहतरमा निगार सुल्ताना को उलमा बोर्ड एजुकेशन विंग का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उन्हें नियुक्ति पत्र प्रदेश अध्यक्ष शहनाज खातून ने सौंपा। वहीं मोहतरमा आलम आरा को प्रदेश महासचिव और मोहतरमा फरहान बेगम को संरक्षक की जिम्मेदारी दी गई। दोनों को भी नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

बैठक में बोर्ड के राष्ट्रीय प्रवक्ता बादशाह खान समेत शहर की कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं। उपस्थित लोगों ने बारी-बारी से अपने विचार रखे। निगार सुल्ताना ने बोर्ड की गतिविधियों और आगामी योजनाओं पर प्रकाश डाला। प्रदेश अध्यक्ष शहनाज खातून ने कहा कि झारखंड में बोर्ड की योजनाओं और जनसेवा के कार्यों को जिला स्तर तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए बोर्ड के बैनर तले मिलकर काम करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को शॉल भेंट कर सम्मानित भी किया गया। सभी ने बोर्ड के साथ मिलकर सामाजिक और जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। बैठक में अधिवक्ता नसर इमाम, अली अंसारी, मोहम्मद हुसैन, जमील अख्तर, जेबा सबूही, अंजुम अख्तर, बेबी नाज, यास्मीन परवीन, जहां आरा, फरहान खातून, नसरीन, सोनू, जहांगीर, अधिवक्ता फिरोज अंसारी, सीमाब अंबर, गुलाम मुस्तफा, रशीद जैद, नौशाद आलम, मोहम्मद अबुजर समेत अन्य मौजूद थे।

रांची पुलिस ने दिया अपनी मुस्तैदी का परिचय

युवक को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से 120 मिनट के भीतर सकुशल बचाया

मेट्रो रेज

रांची: राजधानी रांची में अपराधियों पर रांची पुलिस की त्वरित कार्रवाई लगातार भारी पड़ रही है। बीते 07 सितंबर को विधायक जनार्दन पासवान के बेटे के अपहरण के बाद पुलिस ने महज दो घंटे में उसे ढूंढ निकाला था। ठीक इसी तर्ज पर रविवार की देर रात रांची पुलिस ने एक बार फिर अपनी मुस्तैदी का परिचय देते हुए एक युवक को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से 120 मिनट के भीतर सकुशल बचा लिया। रांची पुलिस की यह कार्रवाई केवल खास व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि आम लोगों के प्रति भी तत्पर है।

देर रात एक बजे कडरू से हुआ अपहरणः घटना अरगोड़ा थाना क्षेत्र के कडरू इलाके की है। रविवार देर रात करीब एक बजे हथियारों और बल के दम पर बदमाशों के एक गुट ने एक युवक का जबरन अपहरण कर लिया। घटना के तुरंत बाद बदहवास परिजन रांची पुलिस के पास पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी दी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए रांची के एसएसपी राकेश रंजन ने बिना वक्त गंवाए तुरंत स्पेशल टीम का गठन किया। सिटी एस पारस राणा के नेतृत्व में गठित इस टीम ने टेक-इंटेलिजेंस और त्वरित सूचना तंत्र का सहारा लेकर संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी शुरू की।

नगड़ी से मिला युवक, दरिंदगी की हदें पारः पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई के आगे अपहरणकर्ता ज्यादा देर टिक नहीं सके। घटना के ठीक दो घंटे के अंदर पुलिस टीम ने नगड़ी इलाके में घेराबंदी कर पीड़ित युवक को ढूंढ निकाला।

जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो वहां का मंजर हैरान कर देने वाला था। पीड़ित युवक बिल्कुल नग्न अवस्था में था। अपहरणकर्ताओं ने न सिर्फ उसके साथ बेरहमी से मारपीट की, बल्कि दरिंदगी की सीमाएं लांघते हुए उसकी नग्न हालत में वीडियो भी बना ली। पीड़ित के साथ काफी अमानवीय व्यवहार किया गया था। पुलिस ने तुरंत उसे सुरक्षा में लिया और इलाज व देखभाल के लिए भेज दि

पुराने विवाद और लड़की से जुड़ा है मामलाः पुलिस की प्रारंभिक जांच में इस खौफनाक वारदात के पीछे की वजह लड़की से जुड़ा पुराना विवाद सामने आया है। पीड़ित युवक और आरोपी गुट के बीच पिछले कुछ महीनों से रंजिश चल रही थी। करीब चार महीने पहले भी पीड़ित युवक ने रांची के सदर थाने में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। इसके बाद भी दोनों पक्षों के बीच मारपीट की घटना हुई थी। इसी रंजिश का बदला लेने के लिए आरोपियों ने रविवार रात इस वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस की कार्रवाई जारीः रांची पुलिस ने मौके से कुछ आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस फिलहाल पकड़े गए युवकों से कड़ाई से पूछताछ कर रही है और घटना में शामिल अन्य सहयोगियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नग्न वीडियो बनाने और अमानवीय व्यवहार करने वाले सभी दोषियों पर कड़ी से कड़ी कानूनी धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी।

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

गंभीर सामाजिक समस्या पर कोर्ट का संवेदनशील हस्तक्षेप

चिल्ड्रेन होम और बाल देख-रेख संस्थानों से 18 साल की उम्र पूरी कर बाहर निकलने वाले युवाओं, जिन्हें 'केयर लीवर्स' कहा जाता है, के लिए शिक्षा व नौकरियों में एक फीसदी आरक्षण और अन्य सहूलियतों के लिए स्थायी नीति बनाने का निर्देश देना राजस्थान हाईकोर्ट का ऐतिहासिक कदम है। जब तक स्थायी नीति नहीं बनती तब तक आयु सीमा में छूट, परीक्षा शुल्क से पूर्ण राहत, छात्रवृत्ति और ब्याज-मुक्त ऋण जैसी अंतरिम राहतें देने के आदेश दिए गए हैं। यह फैसला गंभीर सामाजिक समस्या पर अदालत का संवेदनापूर्ण हस्तक्षेप कहा जाएगा। चिल्ड्रेन होम और बाल संरक्षण संस्थानों में ऐसे असहाय बच्चे पलते हैं, जिनका दुनिया में 'अपना' कोई नहीं होता। जिजीविषा उन्हें अपराध की दुनिया में धकेलने के लिए विवश करती रहती है।

अदालत ने बेहद संजीदगी से इस कड़वी सच्चाई को रेखांकित किया और कहा कि है कि सरकार माता-पिता की तरह इन युवाओं की अंगुली तब तक थामे रखे, जब तक वे अपने पैरों पर पूरी तरह खड़े न हो जाएं। हाईकोर्ट ने 'केयर लीवर्स' के जीवन की हर व्यावहारिक कठिनाई का समाधान खोजने का प्रयास किया है। संस्था छोड़ने से पहले 17.5 साल की उम्र से ही आधार कार्ड, बैंक खाता और पहचान पत्र बनाने के निर्देश देना व्यवस्था की बुनियादी खामी को दूर करता है। अक्सर देखा गया है कि कागजात न होने के कारण ये युवा किसी भी सरकारी योजना का लाभ पाने से वंचित रह जाते थे। इसके अलावा, राज्य व जिला स्तर पर 'केयर लीवर्स सचिवालय' और 'आफ्टरकेयर आइडी कार्ड' की व्यवस्था से इनका एक प्रामाणिक डिजिटल डेटाबेस तैयार हो सकेगा, जिससे नीतिगत लाभ सीधे इन तक पहुंचेंगे। उच्च शिक्षा के लिए मासिक छात्रवृत्ति, मुफ्त हॉस्टल सुविधा और पांच लाख रुपए तक का ब्याज-मुक्त ऋण देना इन युवाओं को न केवल आर्थिक संबल प्रदान करेगा, बल्कि उनमें यह आत्मविश्वास भी जगाएगा। हाईकोर्ट ने जिस प्रकार मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 'राज्य बाल न्याय परिषद' का गठन करने, प्रत्येक जिले में 'केयर लीवर्स सचिवालय' बनाने और आठ सप्ताह में अनुपालना रिपोर्ट पेश करने के कड़े निर्देश दिए हैं, जो इस बात का संकेत है कि अदालत केवल फैसला सुनाकर शांत बैठने वाली नहीं है। अब गेंद केंद्र और राज्य सरकार के पाले में है। राज्य सरकार को चाहिए कि वह इस अवसर का उपयोग देश के समक्ष एक आदर्श 'आफ्टरकेयर मॉडल' प्रस्तुत करने के लिए करे। हम उम्मीद कर सकते हैं कि व्यापक नीति बनाते समय सरकार चिल्ड्रेन होम या बाल संरक्षण संस्थानों को यह जिम्मेदारी भी देगी कि वे भोजन और छत के साथ-साथ ऐसी शिक्षा भी दें कि बालिग होने के बाद वे अपनी योग्यता के साथ उच्च शिक्षा या नौकरियों में अपना दावा मजबूती से रख सकें। सिर्फ आरक्षण देने से बात नहीं बनेगी। माता-पिता से वंचित ऐसे बच्चों को योग्य नागरिक बनाना भी सरकार का ही दायित्व होना चाहिए।

नाबालिगों को देनी होगी डिजिटल सुरक्षा की ढाल

बच्चों को लेकर सोशल मीडिया व डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का सुरक्षित इस्तेमाल नहीं हो पाना वैश्विक चिंता का विषय बनता जा रहा है। इसी चिंता से जुड़ी एक याचिका पर संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार व संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया है। याचिका में बच्चों द्वारा सोशल मीडिया एवं अन्य डिजिटल प्लेटफार्मों के इस्तेमाल पर सुरक्षा उपायों की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि अठारह वर्ष से कम उम्र वालों का सोशल मीडिया अकाउंट खोलने के लिए अभिभावकों की सहमति अनिवार्य की जानी चाहिए।

याचिका में उठाई गई चिंता को वाजिब बताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी भी की है कि भारत में बच्चों के लिए कुछ सुरक्षा उपायों की सख्त जरूरत है। सबसे बड़ी चिंता इस बात की भी है कि प्रमुख सोशल मीडिया कंपनियों के नियम भारतीय कानून से मेल नहीं खा रहे। हमारे यहां अठारह वर्ष से कम उम्र वाले को नाबालिग की श्रेणी में रखा जाता है जबकि सोशल मीडिया प्लेटफार्म तेरह वर्ष की उम्र में भी बच्चों का अकाउंट खोलने की अनुमति देते हैं। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि इंटरनेट और सोशल मीडिया के विस्तार ने सभी आयु वर्ग के लिए शिक्षा, संवाद और मनोरंजन के नए अवसर खोले हैं। लेकिन इन अवसरों के साथ-साथ जोखिम भी कम नहीं है। कम उम्र में ही सोशल मीडिया पर सक्रियता बच्चों में कई तरह की शारीरिक व मानसिक व्याधियों को तो जन्म दे ही रही है, हानिकारक कंटेंट, साइबर बुलिंग व ऑनलाइन शोषण का खतरा भी मंडरा रहा है। बाल यौन शोषण सामग्री का प्रसार तो गंभीर आपराधिक और सामाजिक चुनौती बनता जा रहा है। इसी कारण न्यायपालिका भी अब डिजिटल मंचों की जिम्मेदारी, कानून के पालन और बच्चों की सुरक्षा के बीच संतुलन पर अधिक स्पष्टता चाहती दिखाई दे रही है। दरअसल, यह बहस केवल सोशल मीडिया की आयु सीमा तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों के लिए सुरक्षित डिजिटल वातावरण तैयार करने से जुड़ी व्यापक चुनौती है। इसी चुनौती से निपटने के लिए पिछले साल ही ऑस्ट्रेलिया ने अपने यहां १६ वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर कानूनी प्रतिबंध लगाया है। हमारे यहां भी आयुसीमा तय करने व अभिभावकों की सहमति की जब भी मांग उठती है तो एक सवाल यह भी आता है कि आयु सत्यापन कैसे होगा? यह सवाल इसलिए भी क्योंकि सोशल मीडिया कंपनियों ने आयु सत्यापित करने के विश्वसनीय तरीके भी उपलब्ध नहीं कराए हैं। न्नाबालिगों को डिजिटल सुरक्षा की ढाल उपलब्ध कराना समय की मांग है। बच्चों को सोशल मीडिया से जुड़े खतरों से दूर करने के लिए कानूनी उपाय तो करने ही होंगे, हम सबको सजग भी रहना होगा। शिथिलता बरती गई तो गंभीर नतीजे भुगतने पड़ सकते हैं।

हिंदी दिवस : देवनागरी का लोप, अस्तित्व के चुनौती

संदेश भेजने की सुविधा देवनागरी में भी उपलब्ध है, फिर भी नई पीढ़ी तेजी से हिंदी को अंग्रेजी वर्णमाला में लिखने लगी है। इसका एक कारण देवनागरी में मात्राएं लगाने में लगने वाला समय भी बताया जाता है। सुविधा के लिए आरंभ हुआ यह परिवर्तन कहीं हमारी लिपि के अस्तित्व के लिए चुनौती न बन जाए, इस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। आज अनेक लोग हिंदी बोलते हैं, पर उसे देवनागरी में लिखने का अभ्यास लगातार कम होता जा रहा है। मोबाइल पर बार-बार लिपि बदलना भी लोगों को असुविधाजनक लगता है। परिणामस्वरूप हिंदी शब्दों को अंग्रेजी वर्णमाला में लिखने की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

डॉ एनएम सिंघवी

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद राष्ट्र की एकता और अखंडता को सुदृढ़ करने के लिए हिंदी और देवनागरी लिपि को विशेष महत्व दिया गया। हिंदी देश की सर्वाधिक व्यापक रूप से बोली और समझी जाने वाली भाषाओं में रही है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी भी राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी के प्रबल समर्थक थे। दुर्भाग्य यह है कि जिस देश ने अपनी स्वतंत्रता के बाद अपनी भाषा और संस्कृति को आत्मसम्मान का आधार बनाया, उसी देश के संविधान की मूल रचना अंग्रेजी में हुई। दुनिया के अधिकांश देशों में संविधान उनकी अपनी भाषा में है, जबकि भारत का संविधान आज भी ऐसी भाषा में है, जो आम भारतीय की सहज भाषा नहीं है।

यदि संविधान की मूल रचना हिंदी में हुई होती और अन्य भारतीय भाषाओं में उसके प्रामाणिक अनुवाद उपलब्ध कराए जाते, तो भाषाई दूरी और उससे उत्पन्न अनेक समस्याएं शायद इतनी गंभीर नहीं होतीं। हम अक्सर साक्षरता और शिक्षा में अंतर करते हैं। पढ़ना-लिखना जानना साक्षरता है, लेकिन शिक्षित नागरिक वही है, जो अपने अधिकारों और कर्तव्यों से परिचित हो। संविधान में दिए गए अधिकारों की जानकारी के बिना नागरिक अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का पूर्ण उपयोग कैसे कर सकता है? जब संविधान और अधिकांश कानूनों का मूल पाठ ऐसी भाषा में हो जिसे सामान्य नागरिक समझने में कठिनाई अनुभव करता हो, तब वास्तविक संवैधानिक जागरूकता कैसे विकसित होगी?

आज भी अधिकांश कानूनों का मूल प्रारूप अंग्रेजी में तैयार होता है। आवश्यकता इस बात की है कि कानूनों और नियमों की मूल रचना हिंदी सहित भारतीय भाषाओं में उपलब्ध हो तथा उनके प्रमाणिक अनुवाद सभी प्रमुख भारतीय भाषाओं में किए जाएं। इससे नागरिक अपने अधिकारों, कर्तव्यों और कानूनी प्रावधानों को सहज रूप से समझ सकेंगे। विडंबना देखिए कि हम स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव मना चुके हैं, फिर भी हिंदी के सम्मान और उसके संरक्षण के लिए हिंदी दिवस मनाने की आवश्यकता पड़ती है। लगभग चार वर्ष पूर्व हिंदी दिवस के अवसर पर घटी एक घटना आज भी स्मरण में है। 14 सितंबर को हिंदी दिवस के उद्घाटन समारोह के बाद हिंदी के साहित्यकार संगोष्ठी कक्ष से चर्चा करते हुए भोजन कक्ष में पहुंचे। भोजन की मेज पर रखी सामग्री की विवरणिका देखकर एक सज्जन ने कहा- हिंदी दिवस पर हिंदी के विद्वानों के लिए भारतीय व्यंजनों का विवरण भी अंग्रेजी लिपि में लिखा गया है! सभी लोग यह देखकर आश्चर्यचकित रह गए। यह घटना केवल एक छोटी-सी विसंगति नहीं, बल्कि बदलती मानसिकता का संकेत है।

पत्र-लेखन और चिट्ठियों का स्थान मोबाइल फोन के संदेशों ने ले लिया है। संदेश भेजने की सुविधा देवनागरी में भी उपलब्ध है, फिर भी नई पीढ़ी तेजी से हिंदी को अंग्रेजी वर्णमाला में लिखने लगी है। इसका एक कारण देवनागरी में मात्राएं लगाने में लगने वाला समय भी बताया जाता है। सुविधा के लिए आरंभ हुआ यह परिवर्तन कहीं हमारी लिपि के अस्तित्व के लिए चुनौती न बन जाए, इस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। आज अनेक लोग हिंदी बोलते हैं, पर उसे देवनागरी में लिखने का अभ्यास लगातार कम होता जा रहा है। मोबाइल पर बार-बार लिपि बदलना भी लोगों को असुविधाजनक लगता है। परिणामस्वरूप हिंदी शब्दों को अंग्रेजी वर्णमाला में लिखने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। भाषा की शुद्धता के स्थान पर केवल इतना पर्याप्त मान लिया गया है कि सामने वाला हमारी बात समझ जाए। भाषा केवल विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम नहीं होगी। उसमें किसी समाज की संस्कृति, परंपरा, इतिहास, संवेदना और सामूहिक स्मृति सुरक्षित रहती है। लिपि उस भाषा को स्थायित्व प्रदान करती है। भाषा के प्रति अनुराग कम होगा तो साहित्य-सृजन भी प्रभावित होगा।

ब्राह्मी लिपि का उदाहरण हमारे सामने है। कभी भारतीय उपमहाद्वीप में उसका व्यापक प्रयोग था, लेकिन समय के साथ उसका प्रचलन समाप्त हो गया। आज ब्राह्मी के विशेषज्ञों की संख्या बहुत सीमित है। क्या भविष्य में देवनागरी की स्थिति भी ऐसी हो सकती है? क्या ऐसा समय आ सकता है जब हिंदी तो बोली जाएगी, लेकिन उसे देवनागरी के स्थान पर अंग्रेजी वर्णमाला में लिखने की आवश्यकता समझी जाएगी?

देवनागरी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह ध्वन्यात्मक और वैज्ञानिक लिपि है। सामान्यतः शब्द का जैसा उच्चारण किया जाता है, उसे उसी के अनुरूप लिखने की व्यवस्था इसमें है। ऐसी वैज्ञानिक लिपि का संरक्षण केवल हिंदी का प्रश्न नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक विरासत की रक्षा का प्रश्न है। विदेशी प्रभाव हमारे समाज पर शीघ्र पड़ता है। शक संवत इसका एक उदाहरण है। सरकारी कैलेंडर और राजकीय प्रकाशनों में उसका प्रयोग दिखाई देता है, लेकिन सामान्य जीवन में उसकी लोकप्रियता बहुत सीमित है। हमें सावधान रहना होगा कि देवनागरी की स्थिति भी केवल औपचारिक प्रयोग तक सीमित न हो जाए। इस चुनौती का समाधान केवल सरकार के प्रयासों से संभव नहीं है। हिंदी के साहित्यकारों, लेखकों, शिक्षकों और प्रकाशकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आवश्यकता ऐसे सरल, रोचक और मनोरंजक साहित्य की है जिसे सामान्य नागरिक और नई पीढ़ी रुचि से पढ़े। मोबाइल और आधुनिक तकनीक को हिंदी तथा देवनागरी के विरुद्ध नहीं, बल्कि उनके प्रसार का साधन बनाना होगा। हमें नई पीढ़ी को यह समझाना होगा कि अपनी भाषा और अपनी लिपि से प्रेम करना आधुनिकता के विरुद्ध नहीं है। आधुनिक तकनीक अपनाते हुए भी अपनी भाषाई पहचान को सुरक्षित रखा जा सकता है।

आज आवश्यकता हिंदी दिवस मनाने से अधिक हिन्दी को जीवन में अपनाने और देवनागरी को व्यवहार में बनाए रखने की है। यदि हमने समय रहते ध्यान नहीं दिया तो कहीं ऐसा न हो कि आने वाली पीढ़ियां हिंदी बोल तो सकें, लेकिन उसे देवनागरी में लिखने वाले लोगों को खोजने के लिए इतिहास के पन्ने पलटने पड़ें। देवनागरी का संरक्षण केवल एक लिपि का संरक्षण नहीं, बल्कि हमारी भाषा, संस्कृति और पहचान का संरक्षण है।

मुझे भविष्य की भाषा बनाओ, हिंदी कह रही हमसे

म्मेरे प्यारे युवा साथियो, मेरी जेन जी, तुमसे ही मेरी सबसे बड़ी उम्मीद है। मैं तुमसे अंग्रेजी या किसी दूसरी भाषा को छोड? की कोई जिद नहीं करती। शौक से दुनिया की हर भाषा सीखो। अंग्रेजी तुम्हें विश्व से जोड़े, फ्रेंच, जर्मन, जापानी या कोई और भाषा तुम्हारे लिए ज्ञान और अवसर के नए द्वार खोले, मुझे इस बात पर बहुत गर्व ही होगा। बस तुमसे मेरी एक ही विनती है। दुनिया की बड़ी खिड़कियां खोलते-खोलते अपने घर का मुख्य दरवाजा मत भूल जाना। वह अपना घर मैं ही हूं। कभी किसी दूर देश में किसी अनजान व्यक्ति के मुंह से अचानक नमस्त सुनना या अपनी मिट्टी का कोई परिचित शब्द सुनते ही तुम्हारे चेहरे पर जो सहज मुस्कान आएगी, वही तुम्हें बताएगी कि भाषा केवल अक्षरों का निर्जीव समूह नहीं होती। भाषा मिट्टी की सोंधी खुशबू है। भाषा स्मृतियों की अनमोल गठरी है। भाषा अपनेपन की सच्ची पहचान और घर लौटने की इकलौती राह है।

इशिता पाण्डेय

मैं हिंदी हूं। मैं उस शिशु की पहली बोली हूं, जिसके होंठों पर सबसे पहले मां शब्द आता है। मैं मां की वह मीठी लोरी हूं, जो पलकों पर सुनहरे सपने सजाती है। मैं दादी की किस्सागोई, नानी की कहानी और पिता के स्नेहिल आशीष में बसी बचपन की अनमोल निशानी हूं। मैं गंगा जैसी सहज हूं, सागर जैसी गहरी हूं और भारत की पावन मिट्टी से उठती अपनेपन की वह सोंधी पुरवाई हूं, जिसे महसूस करने के लिए कभी किसी शब्दकोश की आवश्यकता नहीं होती। मैं केवल भाषा नहीं हूं, मैं आपकी स्मृतियों का पवित्र घर हूं। मैं केवल बीते कल की विरासत नहीं, आज की शक्तिशाली अभिव्यक्ति और आने वाले कल की सबसे बड़ी अभिलाषा हूं। मेरे विशाल आंगन में गोस्वामी तुलसीदास ने रामकथा को जन-जन तक पहुंचाया। संत कबीरदास ने अपनी निर्भीक वाणी से समाज की रूढ़ियों को सीधी चुनौती दी। सूरदास ने वात्सल्य और कृष्णप्रेम को अद्भुत स्वर दिया, तो मीराबाई ने अपनी भक्ति को आत्मा की पुकार बना दिया। आधुनिक युग में भारतेंदु हरिश्चंद्र ने हिंदी नवजागरण को एक नई दिशा दी। मुंशी प्रेमचंद ने किसान, मजदूर और आम आदमी के कड़े संघर्ष को साहित्य का मुख्य केंद्र बनाया। सूर्यकांत त्रिपाठी निराला ने स्वाभिमान और विद्रोह की आवाज बुलंद की। महादेवी वर्मा ने मानवीय संवेदनाओं को अथाह गहराई दी। रामधारी सिंह दिनकर के ओजस्वी शब्दों में समूचे राष्ट्र का स्वर गूंजा और हरिवंश राय बच्चन ने अपनी काव्यधारा से हिंदी को सीधे जनमानस के हृदय तक पहुंचा दिया।

कभी मैं स्वतंत्रता संग्राम की गगनभेदी पुकार बनी, तो कभी जनजागरण की प्रखर वाणी। कभी कविता ने मेरे शब्दों से क्रांति जगाई, तो कभी कहानी ने पूरे समाज को उसका असली आईना दिखाया। मैंने टूटते साहस को संबल दिया और अंधेरे समय की कठिन चौखट पर आशा के अनगिनत दीप जलाए। लेकिन समय अब बदल चुका है। कागज से सिमटकर दुनिया स्क्रीन तक आ पहुंची है। लंबी चिट्ठियां छोटे डिजिटल संदेशों में बदल गईं। निजी डायरी की जगह मोबाइल ने ले ली है। लंबी कहानियों के सामने रील, मीम और छोटी पोस्टों की एक बेहद तेज दुनिया खड़ी हो गई है। नई तकनीक ने असीम ज्ञान को हमारी अंगुलियों तक पहुंचा दिया है।

सच कहूं तो मैं इस बदलाव से बिल्कुल नाराज नहीं हूं। मुझे नई तकनीक से डर आखिर क्यों लगेगा? मैं हर युग के साथ बदली हूं और आगे भी बदलूंगी। मैं किसी पुरानी पुस्तक में रह सकती हूं तो नई डिजिटल पुस्तक में भी। मैं रेडियो पर बोल सकती हूं तो आज के पॉडकास्ट पर भी सहज संवाद कर सकती हूं। मैं अखबार में छप सकती हूं तो इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर भी अपनी नई पहचान बना सकती हूं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) के इस नए युग में भी मैं उतनी ही सक्षम और समर्थ हूं, जितनी कभी हस्तलिखित पांडुलिपियों के समय हुआ करती थी।

मेरे प्यारे युवा साथियो, मेरी जेन जी, तुमसे ही मेरी सबसे बड़ी उम्मीद है। मैं तुमसे अंग्रेजी या किसी दूसरी भाषा को छोड़ने की कोई जिद नहीं करती। शौक से दुनिया की हर भाषा सीखो। अंग्रेजी तुम्हें विश्व से जोड़े, फ्रेंच, जर्मन, जापानी या कोई और भाषा तुम्हारे लिए ज्ञान और अवसर के नए द्वार खोले, मुझे इस बात पर बहुत गर्व ही होगा। बस तुमसे मेरी एक ही विनती है। दुनिया की बड़ी खिड़कियां खोलते-खोलते अपने घर का मुख्य दरवाजा मत भूल जाना। वह अपना घर मैं ही हूं। कभी किसी दूर देश में किसी अनजान व्यक्ति के मुंह से अचानक नमस्त सुनना या अपनी मिट्टी का कोई परिचित शब्द सुनते ही तुम्हारे चेहरे पर जो सहज मुस्कान आएगी, वही तुम्हें बताएगी कि भाषा केवल अक्षरों का निर्जीव समूह नहीं होती। भाषा मिट्टी की सोंधी खुशबू है। भाषा स्मृतियों की अनमोल गठरी है। भाषा अपनेपन की सच्ची पहचान और घर लौटने की इकलौती राह है।

मैं तुम्हें पीछे नहीं बुला रही हूं, बल्कि मैं तुम्हारे साथ आगे चलना चाहती हूं। इसलिए मुझे केवल कविता, कहानी और स्कूली परीक्षा की भाषा तक सीमित मत रहने देना। मुझे विज्ञान की उन्नत प्रयोगशालाओं तक ले जाना। मुझे अंतरिक्ष की असीम उड़ानों में सुनाना। मुझे आधुनिक चिकित्सा और नए शोध की भाषा बनाना। मुझे नए उद्यमों, नवाचार और रोबोटिकी का स्वर देना। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की इस जादुई दुनिया में मेरे लिए भी सफलता के नए द्वार खोलना। इंस्टाग्राम पर सुंदर हिंदी लिखो। यूट्यूब पर विज्ञान और ज्ञान मेरी भाषा में समझाओ। पॉडकास्ट में नई पीढ़ी के विचार हिंदी में रखो। नए शब्द गढ़ो, नई कहानियां लिखो, नए और स्वतंत्र विचार व्यक्त करो। मुझे पुरानी अलमारी में बंद एक खामोश विरासत मत बन जाने देना। मुझे अपने सलोने सपनों, नए शोध और अपने भविष्य में महत्वपूर्ण स्थान देना। मैं संग्रहालय की कोई निर्जीव वस्तु नहीं हूं, मैं नवयुग का उद्घोष हूं। मैं केवल बीते कल की स्मृति नहीं, आने वाले भारत का प्रबल जोश हूं।

लेकिन आज हिंदी दिवस पर मेरा तुमसे एक सीधा प्रश्न भी है। क्या मैं केवल 14 सितंबर की भाषा हूं? क्या आज बड़े मंच सजें, मेरे सम्मान में लंबे भाषण हों, फूल चढ़ाए जाएं और अगली सुबह मेरे अक्षर फिर चुपचाप भुला दिए जाएं? यदि ऐसा ही है, तो मुझे यह एक दिन का उत्सव नहीं चाहिए। मुझे अपनी रोजमर्रा की आदत बनाओ। मुझे अपने सहज व्यवहार में लाओ। मुझे अपने नव-सृजन का हिस्सा बनाओ। प्रतिदिन कुछ पन्ने हिंदी के पूरे मन से पढ़ो। कभी अपनी डायरी में अपने मन की चार पंक्तियां स्वयं लिखो। हर सप्ताह कोई सुंदर नया हिंदी शब्द सीखो। मां, दादी और नानी की सुनी कहानियों को अगली पीढ़ी तक मेरी ही वाणी में पहुंचाओ और सबसे महत्वपूर्ण बात, हिंदी में बोलते या लिखते समय गलती करने से मत डरो। भाषा निरंतर अभ्यास से आती है, प्रेम से खिलती है और रोजमर्रा के प्रयोग से ही जीवित रहती है।

मैं तुम्हारी हंसी में हूं। मैं तुम्हारे आंसुओं में हूं। मैं प्रेम की पहली अभिव्यक्ति में हूं और प्रार्थना के अटूट विश्वास में भी मैं ही हूं। मुझे बचाने मत निकलना। मैं इतनी कमजोर बिल्कुल नहीं हूं। करोड़ों कंठों में मेरी धडकन आज भी जीवित है। बस तुम मेरा हाथ मजबूती से थामे रखना। नई पीढ़ी की नई और स्वतंत्र सोच से मेरे शब्दों को लगातार समृद्ध करते रहना। मैं भी आज तुम्हारे सामने यह बड़ा संकल्प करती हूं कि मैं समय के साथ बदलूंगी, लेकिन अपनी मूल आत्मा कभी नहीं खोऊंगी। मैं पूरी तरह आधुनिक बनूंगी, मगर अपनी गहरी जड़ों से कभी नहीं टूटूंगी। दुनिया की हर भाषा सीखो, आसमान जितना ऊंचा उड़ो, लेकिन कभी लौटने के लिए अपने शब्दों का एक घर जरूर बचाए रखना। मुझे केवल बोलो मत। मुझे पढ़ो। मुझे लिखो। मुझमें सोचो। मुझमें रचो। मुझमें बड़े सपने देखो और सबसे बढकर, मुझे अपने भविष्य की सशक्त भाषा बनाओ। मैं हिंदी हूं,आपकी अपनी हिंदी।

व्यक्तित्व विकास के सूत्र

श्रीश्री रवि शंकर

चिंतन-मनन

जीवन में सफल होने के लिए केवल अच्छा कार्यक्षेत्र या अच्छी आजीविका ही काफी नहीं है। हमारा व्यक्तित्व भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है। हर व्यक्ति का स्वभाव और व्यक्तित्व दूसरे से अलग होता है। यहां तक कि दो लोगों के अंगूठों के निशान भी एक जैसे नहीं होते। इसी तरह लोगों के सोचने, परिस्थितियों को समझने, संबंध निभाने और चुनौतियों का सामना करने का तरीका भी अलग होता है। इसलिए व्यक्तित्व विकास का अर्थ खुद को किसी दूसरे व्यक्ति जैसा बनाना नहीं, बल्कि अपने भीतर संतुलन, सहजता, मजबूती और मधुरता विकसित करना है। गुरुदेव के अनुसार, जीवन में कार्यक्षेत्र और व्यक्तित्व विकास दोनों का अपना महत्त्व है और पूर्ण संतुष्टि के लिए दोनों के बीच संतुलन होना चाहिए। एक बेहतर व्यक्तित्व वह है जो मुश्किल परिस्थितियों में टूटे नहीं, सफलता मिलने पर अहंकार में न डूबे, लोगों के साथ सहज रहे और बदलती परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल सके। इसके लिए जीवन में कुछ बातों पर विशेष ध्यान दिया जा सकता है।

संतुलित और रसपूर्ण व्यक्तित्व बनाएं- हर व्यक्ति चाहता है कि उसका जीवन खुशियों और आनंद से भरा हो। लोग ऐसे व्यक्तित्व को भी पसंद करते हैं जिसमें मधुरता और सहजता हो। लेकिन केवल मधुर होना पर्याप्त नहीं है। कुछ लोग स्वभाव से बहुत अच्छे और मधुर होते हैं, लेकिन जीवन में छोटी सी परेशानी आते ही दुखी या उदास हो जाते हैं। उनमें मुश्किल परिस्थितियों को सहने की क्षमता कम होती है। दूसरी ओर कुछ लोग बेहद मजबूत होते हैं। वे चुनौतियों का सामना तो कर लेते हैं, लेकिन उनके स्वभाव में क्रोध, कठोरता या अहंकार आ जाता है। ऐसा व्यक्तित्व भी संतुलित नहीं कहा जा सकता। गुरुदेव कहते हैं कि जीवन में घास की तरह लचीलापन होना चाहिए। तेज तूफान में भी घास अपने लचीलेपन के कारण बची रहती है। व्यक्तित्व ऐसा होना चाहिए जो गन्ने की तरह बाहर से मजबूत और अंदर से मधुर हो। बाहरी परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, व्यक्ति उनका सामना कर सके, लेकिन उसके भीतर प्रेम, सहजता और मधुरता बनी रहे।

आपके पत्र

हिंदी अपनाने में हर्ज क्या है?

14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा घोषित किया था। हिंदी का देश में विस्तार करने के लिए तब से हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। पहली बार यह दिवस 14 सितंबर 1953 को मनाया गया था। हिंदी कोई भाषा नहीं, बल्कि हमारे देश की राजभाषा और राष्ट्रीय प्रतीक है। भारत में कई राज्य और कुछ केंद्र शासित प्रदेश हैं, इन सभी में लोग अपनी मातृभाषा का प्रयोग करते हैं।

यह अच्छी बात है कि अपनी मातृभाषा का प्रयोग करना चाहिए, लेकिन देश की राजभाषा हिंदी को भी उतना ही सम्मान देना चाहिए जितना मातृभाषा को। आज हिंदी कुछ अंग्रेजी कारण तो कुछ स्थानीय भाषाओं के बीच पिस रही है। इस कारण आज आजादी के इतने सालों बाद भी हिंदी को वो उच्च स्थान नहीं मिल सका है जो मिलना चाहिए। हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में अपनाना होगा।

आरती वर्मा, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

बिना वृक्ष के जन जीवन की कल्पना भी व्यर्थ है : सुदान

साहिबगंज : गंगा मिशन कोलकाता साहिबगंज की ओर से 13 सितंबर दिन रविवार को अहले सुबह जैप - 9 के जवानों ने झारखंड सशस्त्र पुलिस जैप 9 के परिसर में 105 फलदार वृक्ष लगाकर गंगा मिशन के तहत गंगा के तटीय जिलों में वृक्ष लगाने के अभियान को आगे बढ़ाया।इस अवसर पर झारखंड सशस्त्र पुलिस - 9 के पदाधिकारी सुदान बुढ़ ने कहा कि वृक्षारोपण जनजीवन के लिए बहुत जरूरी है वृक्ष लगाना हर व्यक्ति का परम कर्तव्य है। बिना वृक्ष के जन जीवन की कल्पना भी व्यर्थ है।गंगा मिशन कोलकाता साहिबगंज की ओर से झारखंड सशस्त्र पुलिस - 9 के परिसर में वृक्षारोपण कार्य हो रहा है यह काफी सराहनीय कार्य है।मौके पर कविवर सुधीर श्रीवास्तव ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण की महत्ता पर प्रकाश डाला।कवि आनंद मोदी ने ₹छुईमुई₹ कविता का पाठ कर आम जन जीवन में जल जंगल और पर्यावरण की जरूरत को रेखांकित किया।वहीं,अधिवक्ता राजीव सिंह, बचनेश्वर पाठक,बृजमोहन यादव, अशोक सर्राफ ने भी पर्यावरण के विषय पर अपनी बातें कही और निरीक्षक सत्येंद्र पासवान,हवलदार मेजर जनार्दन सिंह,धर्मनाथ लोहार,अनिल कुमार सिंह,अजय कुमार यादव,उमेश उरांव,आरक्षी गोकुल पंडित,बृजेश कुमार सिंह,बिहारी मरांडी,मिंटू गुप्ता आदि उपस्थित थे।

प्रभावित परिवारों के बीच खाद्य सामग्री का किया गया वितरण

साहिबगंज : जिले में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर एवं बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा शहरी क्षेत्र में राहत एवं सहायता कार्यों को पूरी तत्परता एवं संवेदनशीलता के साथ लगातार संचालित किया जा रहा है। बाढ़ प्रभावित परिवारों तक आवश्यक खाद्य सामग्री एवं अन्य जरूरी सुविधाएं पहुंचाने के लिए नगर परिषद की टीम भी लगातार सक्रिय है। जबकि अध्यक्ष नगर परिषद साहिबगंज रामनाथ पासवान एवं कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह द्वारा वार्ड संख्या 24 चानन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बाढ़ की स्थिति प्रभावित क्षेत्रों एवं आमजनों की समस्याओं का जायजा लेते हुए संबंधित आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। जिसमें बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण किया गया तथा उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया गया। नगर परिषद द्वारा प्रभावित परिवारों की आवश्यकताओं पर लगातार नजर रखते हुए राहत कार्यों को और प्रभावी बनाने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।जिला प्रशासन व नगर परिषद का संकल्प है कि बाढ़ की विषम परिस्थिति में कोई भी प्रभावित परिवार सहायता से वंचित न रहे। राहत, सुरक्षा एवं मानवीय संवेदना के साथ प्रशासन प्रत्येक प्रभावित नागरिक तक पहुंचने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है।

उपायुक्त ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण, प्रभावित परिवारों के बीच खाद्य सामग्री वितरित

साहिबगंज : जिले में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर एवं बाढ़ की स्थिति को देखते हुए उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित परिवारों की स्थिति का जायजा लेते हुए आवश्यक सहायता एवं राहत कार्यों की जानकारी ली। उपायुक्त द्वारा बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण भी किया गया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रभावित लोगों की आवश्यकताओं का आकलन कर त्वरित राहत उपलब्ध कराने तथा संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी बनाए रखने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आइन्द सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बाढ़ पीड़ितों के साथ खड़ा है मजदूर संघ

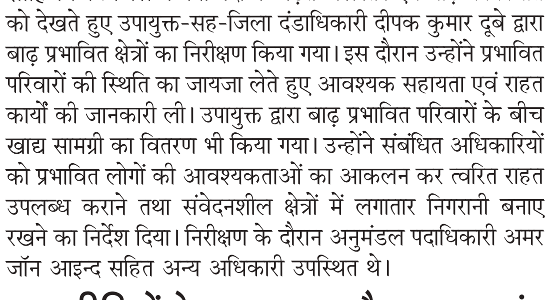

साहिबगंज/तालझारी : प्रखंड परिसर के समक्ष रविवार को झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक की बैठक जिला अध्यक्ष मनोज सोरेन की अध्यक्षता में हुई।बैठक में जिले में बाढ़ की गंभीर स्थिति पर चर्चा करते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की गई।साथ ही संगठन को मजबूत करने और सदस्यता बढ़ाने परविचार-विमर्श किया गया।मनोज सोरेन ने कहा कि संघ की मजबूती के लिए प्रत्येक सदस्य का प्रतिमाह सदस्यता शुल्क जमा करना अनिवार्य है।बैठक में जिला महामंत्री मोहम्मद इमाम विश्वास,राकेश महतो,इकरामुल अली,अमीन खान,मिथुन राजवंशी,मुन्ना मरांडी,शिव शंकर महतो सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

19 सितंबर को झामुमो प्रखंड कार्यालय में करेगा धरना प्रदर्शन : अरुण सिंह

एमएमडीआर संशोधन विधेयक बिल झारखंड के जनता के लिए काला कानून : संजय

संवाददाता

साहिबगंज : झामुमो जिला समिति साहेबगंज की बैठक प्रखंड पतना के मुख्यमंत्री आवास झामुमो कार्यालय में जिला अध्यक्ष अरुण सिंह जी के अध्यक्षता में हुई।मंच संचालन जिला सचिव सुरेश टुडू ने किया।जिला अध्यक्ष अरुण सिंह ने कहा कि केंद्रीय समिति के निदेशानुसार आगामी दिनांक 19 सितंबर को झामुमो साहेबगंज जिले के सभी प्रखंड मुख्यालयों में एमएमडीआर संशोधन विधेयक बिल के विरोध में झामुमो धरना प्रदर्शन केंद्र सरकार के विरोध में कार्यक्रम करेगा।सभी कार्यकताओं को पंचायत स्तर तक इस विषय को आम जनों का पहुचाने का निर्देश दिया।जोर जुलुम के टक्कर में,संघर्ष हमारा नारा है।झारखंड में एस०आई०आर प्रक्रिया मे पात्र मतदाताओं नाम किसी भी हालत में नहीं कटने दें।सभी प्रखंड कमेटी नगर कमेटी मतदाताओं का मदद सहयोग करेंगे।वही जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष संजय गोस्वामी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने झारखंड में खनिज संशोधन विधेयक बिल जो पारित किया है,उसका हम सभी कड़ा विरोध करते हैं।साथ ही कहा कि माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विकास कार्यों को प्रभावित करने के उद्देश्य से भाजपा ने यह काला कानून लाया है।आगामी दिनांक 19 सितंबर को हजारों की संख्या प्रखंड कार्यालयों में उपस्थित होकर एमएमडीआर संशोधन विधेयक बिल का विरोध करें।जिला उपाध्यक्ष संजीव शामू हेंब्रम ने कहा कि खनिज संशोधन विधेयक काला कानून को झारखंड की मईयां ओर जनता के ऊपर थोप कर केंद्र की भाजपा सरकार ने यह साबित कर दिया है कि वे सिर्फ झारखंड जनता के विकास कार्यों को रोकना चाहते हैं,जो झारखंड की जनता होने नहीं देगी।मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विकास कार्यों देखकर भाजपा की केंद्र सरकार डर गई है।इसलिए आनन फानन में यह काला कानून ला कर पारित किया है।सहित एसआरईआर प्रक्रिया में सभी मतदाताओं का सहयोग करेंगे।ताकि पात्र मतदाता का नाम नहीं कट सके।झारखंड सरकार के मंत्री ओर पार्टी के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य सुदीव्य कुमार सोनू के निधन पर ओर बरहरवा प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल गफूर के पत्नी के निधन पर जिला समिति साहेबगंज ने दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि अर्पित किया।बैठक में केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा उर्फ बबलू मिश्रा,केंद्रीय समिति सदस्य मुजीबुर रहमान जिला कार्यकारिणी सदस्य नजरल इस्लाम जिला युवा मोर्चा सचिव मो मारुफ उर्फ गुड्डु,केंद्रीय समिति सदस्य मो अखलाकुर रहमान,जिला उपाध्यक्ष जेम्स किस्कू,जलेबी सिंह, महिला मोर्चा अध्यक्ष बसंती हांसदा, जिला सचिव संगीता हांसदा,जिला संगठन सचिव छवि हेंब्रम,काजू मल्लिक,अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष अख्तर आलम,जिला कार्यकारिणी सदस्य नसीम अख्तर, बरहेट प्रखंड अध्यक्ष बर्नाड मरांडी, पतना प्रखंड अध्यक्ष गुरु हेम्ब्रम, सचिव मो शाहबाज,महेश शाह, प्रखंड अध्यक्ष सुबोध सोरेन प्रखंड अध्यक्ष अमरदीप सिंह,नगर अध्यक्ष आदित्य यादव,तालझारी प्रखंड अध्यक्ष जोसेफ, सचिव मो जहांगीर अंसारी राजमहल से अनिसुर रहमान मो आजाद,उधवा प्रखंड अध्यक्ष अयूब अली बोरियो प्रखंड अध्यक्ष स्टीफन मुर्मू,प्रखंड सचिव गफ्फार अंसारी,पूर्व केंद्रीय समिति सदस्य शक्ति नाथ अमन बरहरवा नगर अध्यक्ष धर्मवीर महतो,सचिव इकबाल हुसैन,बरहरवा प्रखंड सचिव प्रदीप टोप्पो देव सोरेन सुनीराम हांसदा जिला मीडिया सदस्य मो एजाज अंसारी,रिजवान अंसारी,फरहाद अंसारी,सुरेश मरांडी,मंजू मुर्मू पल्लवी मरांडी जेठा मरांडी,पूसा टुडू, शकील अहमद,मानवेल हांसदा,अरसद अंसारी हेमलाल हेंब्रम समेत अन्य मौजूद रहें।

अवैध लॉटरी, शराब व जुआ के अड्डे पर नकेल कसना जरूरी : अमित कुमार सिंह

एसपी अमित कुमार सिंह ने सभी थाना प्रभारियों को दिया सख्त निर्देश अपने-अपने थाना क्षेत्र में तैयार रहे

संवाददाता

साहिबगंज : पुलिस लाइन स्थित एसपी कार्यालय सभागार में रविवार को अपराध नियंत्रण गोष्ठी हुई। अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने की।उन्होंने आगामी पर्व-त्योहारों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनाने और अपराध नियंत्रण संबंधी टिप्स दिए।उन्होंने असमाजिक तत्वों को चिन्हित करने व शांति सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनाने,बाइक की चोरी व घरों में चोरी पर रोक लगाने,रात्रि गश्ती पर विशेष फोकस करने,गश्ती के दौरान संदिग्ध लोगों की जांच करने,चौक,चैराहों व सन्नाटों में बेवजह खड़े लोगों व बाजारों में मटरगश्ती करने वालों से सख्ती से निपटने,हर गली-मोहल्लों में पेट्रोलिंग करने,चोरी की घटना में पूर्व में संलिप्त रहे लोगों का डाटा तैयार कर उस पर नजर बनाए रखने,थाना में लंबित कांडों का जल्द से जल्द अनुसंधान कर निष्पादन करने,लाल वारंटियों को गिरफ्तार करने,सुचारू रूप से वाहन जांच अभियान चलाने, अवैध लॉटरी,शराब,जुआ के अड्डे व गांजे जैसे अवैध कारोबार पर नकेल कसना जरूरी है।मौके पर डीएसपी रविकांत साव,सभी एसडीपीओ,नगर थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर अमित कुमार गुप्ता, मुफस्सिल थाना प्रभारी अनीश पांडेय,जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह सहित सभी थाना प्रभारी मौजूद थे।

फेडरेशन चैंबर चुनाव में आकाश पांडे ने दर्ज की जीत

संवाददाता

साहिबगंज : फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज एवं संथाल परगना क्षेत्रीय उपाध्यक्ष पद के लिए रविवार को रांची में हुए चुनाव में साहिबगंज के आकाश पांडे ने जीत दर्ज की।संथाल परगना क्षेत्रीय उपाध्यक्ष पद के लिए साहिबगंज से आकाश पांडे और राजेश अग्रवाल उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में थे। चुनाव में मतदान के लिए साहिबगंज जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष चेतन भारतीया,सचिव जय प्रकाश सिंह, सह सचिव रमेश तिवारी समेत अन्य अपेक्षित मतदाता 12 सितंबर को वनांचल एक्सप्रेस से रांची रवाना हुए थे।सभी ने रविवार को चुनाव प्रक्रिया में हिस्सा लिया।आकाश पांडे को कुल 34 मत मिले जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी राजेश अग्रवाल को 31 मत मिले।आकाश पांडे की जीत की सूचना मिलने के बाद साहिबगंज के चैंबर सदस्यों में खुशी का माहौल है।सदस्यों ने इसे साहिबगंज के व्यापारिक समुदाय के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया और आकाश पांडे को बधाई दी।

झरना कॉलोनी दुर्गा मंदिर में होगी मां दुर्गा की स्थायी प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा

संवाददाता

साहिबगंज : झरना कॉलोनी सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति की ओर से इस वर्ष दुर्गा पूजा को विशेष एवं ऐतिहासिक रूप से आयोजित करने की तैयारी की जा रही है। समिति के अनुसार झरना कॉलोनी स्थित दुर्गा मंदिर में मां दुर्गा की भव्य स्थायी प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी।समिति ने बताया कि मंदिर में पिछले कई वर्षों से दुर्गा पूजा का आयोजन होता आ रहा है।इस वर्ष मां दुर्गा की स्थायी प्रतिमा स्थापित होने के बाद मंदिर क्षेत्र का पहला ऐसा स्थल बनेगा,जहां मां दुर्गा वर्षभर विराजमान रहेंगी।इसे लेकर 11 से 20 सितंबर तक पूजा-अर्चना एवं विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।रविवार को शाम चार बजे दुर्गा मंदिर प्रांगण में विशेष बैठक आयोजित की गई।बैठक में मां की प्राण-प्रतिष्ठा,पूजा आयोजन एवं कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर सामूहिक रूप से निर्णय लिया गया। समिति ने कहा कि मां की प्राण-प्रतिष्ठा का यह अवसर आने वाली पीढ़ियों के लिए धार्मिक विरासत स्थापित करने का महत्वपूर्ण अवसर है।मौके पर पूजा अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव.विनोद कुमार मंडल,संजय शाह. शिवलाल मंडल. अमलेश यादव, राजू दुबे. मनोहर हजरा. वीरेंद्र सिंह. संतोष सिंह. उमेश सिंह. बालकृष्ण पासवान, अनूप हरि.ि वकास सिंह. पवन सिंह. अमन पासवान. लाडो. मिकको सिंन्हा. सनी. अतुल सिंन्हा. कन्हैया पासवान चक्रवर्ती.इलू पासवान व अन्य।मौजूद थे।

ओबीसी जनगणना में अलग वर्ग कॉलम की मांग 16 को लोकभवन मार्च

ओबीसी जनगणना को लेकर कांग्रेस का लोकभवन मार्च

संवाददाता

साहिबगंज : कांग्रेस ओबीसी विभाग के जिला अध्यक्ष अजय कुमार यादव ने आगामी जनगणना में अनुसूचित जाति एससी और अनुसूचित जनजाति एसटी की तर्ज पर अन्य पिछड़ा वर्ग ओबीसी के लिए अलग से वर्ग कॉलम शामिल करने की मांग की है।उन्होंने कहा कि ओबीसी समाज की जनसंख्या का वास्तविक आंकड़ा सामने लाने और उनके सामाजिक शैक्षणिक एवं आर्थिक हितों को सुनिश्चित करने के लिए जनगणना में अलग कॉलम जरूरी है।अजय कुमार यादव ने बताया कि इसी मांग को लेकर प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग की ओर से 16 सितंबर को लोकभवन मार्च का आयोजन किया जाएगा।मार्च के माध्यम से सरकार के समक्ष ओबीसी के लिए अलग वर्ग कॉलम की मांग को मजबूती से रखा जाएगा।उन्होंने कहा कि 15 सितंबर को वनांचल एक्सप्रेस ट्रेन से इस कार्यक्रम में साहिबगंज जिले से कांग्रेस ओबीसी विभाग के सैकड़ों कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल होंगे।जिला स्तर पर कार्यकताओं को कार्यक्रम में भाग लेने के लिए तैयारियां की जा रही हैं।उन्होंने अधिक से अधिक कार्यकताओं से लोकभवन मार्च में शामिल होकर ओबीसी समाज की मांग को मजबूती प्रदान करने की अपील की।

अधिकतम दो दिनों के अंदर खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित करें : जिला प्रशासन

संवाददाता

साहिबगंज : तालझारी प्रखंड के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राशन कार्डधारी लाभुकों के बीच सितंबर 2026 माह के खाद्यान्न का वितरण कराया गया। जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रभावित परिवारों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत निर्धारित खाद्यान्न समय पर उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।संबंधित जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि शेष सभी पात्र लाभुकों के बीच अविलंब एवं अधिकतम दो दिनों के अंदर खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित करें ताकि कोई भी पात्र लाभुक खाद्यान्न से वंचित न रहे।साथ ही, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में ऐसे परिवार अथवा व्यक्ति, जो पात्र होने के बावजूद किसी कारणवश अब तक राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ प्राप्त नहीं कर सके हैं। जिनके पास राशन कार्ड उपलब्ध नहीं है उनकी पहचान कर सूची तैयार करने का निर्देश दिया गया है।संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देशित किया गया है कि पात्र परिवारों व्यक्तियों की सूची अविलंब प्रखंड कार्यालय को उपलब्ध कराएं ताकि नियमा नुसार उन्हें राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना से जोड़ा जा सके और आवश्यक खाद्य सुरक्षा लाभ प्रदान किया जा सके।जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बाढ़ प्रभावित एवं पात्र परिवारों तक खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है।

चुंबक ने मुझे बहनों जैसा रिश्ता दियाः संदीपा धर

अभिनेत्री संदीपा धर ने कहा है कि चुंबक ने उन्हें बेहतरीन सह-कलाकारों के साथ बहनों जैसा रिश्ता भी दिया है, जिसे वह हमेशा संजोकर रखेंगी।संदीपा ने कहा कि नीना, डेलनाज, मानसी, हेली, अमायरा और वह खुद गर्ल गैंग हैं। व्यस्त शूटिंग के बावजूद सभी एक-दूसरे के लिए समय निकालती हैं और साथ में ब्रंच, डिनर तथा बातचीत के जरिए अपनी दोस्ती को मजबूत बनाए रखती हैं। उन्होंने कहा कि चुंबक ने मुझे सिर्फ बेहतरीन को-स्टार्स नहीं दिए, बल्कि ऐसा बहनों जैसा रिश्ता दिया है, जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगी। इस ग्रुप में प्यार, सहयोग, हंसी-मजाक और अपनापन है, जो इसे परिवार जैसा बनाता है। संदीपा ने कहा कि चुंबक के दौरान बने ये रिश्ते शूटिंग खत्म होने के बाद भी उनके जीवन का हिस्सा बने रहेंगे।

अमिताभ बच्चन को है म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट बजाना नहीं सीखने का अफसोस

अमिताभ बच्चन ने कौन बनेगा करोड़पति 18 में अपने एक अधूरे सपने का खुलासा किया है। 84 साल की उम्र में भी बिग बी को इस बात का मलाल है कि वह कभी कोई म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट बजाना नहीं सीख पाए।

अमिताभ बच्चन ने करीब छह दशक लंबे करियर में एक्टिंग से लेकर होस्टिंग और सिंगिंग तक खूब नाम कमाया है, लेकिन 84 की उम्र में भी उनके मन में एक ऐसी कसक है, जिसे वह अब तक पूरा नहीं कर पाए। खास बात ये है कि यह मलाल उनके फिल्मी करियर से जुड़ा नहीं है, बल्कि कुछ और है।

अमिताभ बच्चन के मन में है ये मलालः दरअसल, कौन बनेगा करोड़पति 18 के एक एपिसोड में बिग बी ने अपने दिल की बात शेयर की। कंटेस्टेंट कृतज्ञा (जो एक कंटेंट क्रिएटर हैं) ने उनसे पूछा कि अगर मौका मिले तो वह अपनी जिंदगी का कोई पुराना दिन दोबारा जीना चाहेंगे या फिर ऐसा दिन देखना चाहेंगे, जो उन्होंने पहले कभी एक्सपीरियंस नहीं किया। इस पर अमिताभ बच्चन ने दूसरा ऑप्शन चुना। उन्होंने कहा कि वह अपनी जिंदगी में उस दिन को जीना चाहेंगे, जब वह आखिरकार कोई म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट बजाना सीख जाएं।

संगीत सीखने की हमेशा रही चाहतः अमिताभ बच्चन ने बताया कि उन्हें हमेशा से म्यूजिक सीखने की इच्छा रही है, लेकिन वह कभी इसे सीख नहीं पाए। उन्होंने कहा कि जब वह सिंगर्स, म्यूजिशियन और सितार वादकों को इतनी खूबसूरती से परफॉर्म करते देखते हैं, तो उन्हें अफसोस होता है कि उन्होंने खुद संगीत क्यों नहीं सीखा।

बिग बी को 84 साल की उम्र में भी है ये उम्मीदः बिग बी ने यह भी बताया कि उनके घर में लगभग हर तरह के म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट मौजूद हैं। यानी इंस्ट्रूमेंट खरीदने में तो उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी, लेकिन उन्हें बजाना सीखने का मौका नहीं मिल पाया। उन्होंने कहा कि घर पर रखे इन इंस्ट्रूमेंट्स को वह फूलों और मालाओं से सजाकर रखते हैं। उनके मन में आज भी यही उम्मीद है कि शायद किसी दिन वह वक्त निकालकर इन्हें बजाना सीख लें। अमिताभ बच्चन के मुताबिक, 84 साल की उम्र तक कोई म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट न सीख पाना उनके लिए एक डीप रिग्रेट है।

खुद इंस्ट्रूमेंट नहीं बजाया, लेकिन कई गाने गाएः दिलचस्प बात यह है कि अमिताभ बच्चन ने भले ही कोई म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट बजाना नहीं सीखा, लेकिन उनकी आवाज कई यादगार गानों का हिस्सा रही है। उन्होंने 1979 में फिल्म मिस्टर नटवरलाल के गाने मेरे पास आओ मेरे दोस्तो से सिंगिंग में कदम रखा था। इसके बाद सिलसिला के रंग बरसे और नीला आसमान जैसे गानों में भी उनकी आवाज सुनने को मिली। अमर अकबर एंथनी का माय नेम इज एंथनी गोंसाल्वेस और लावारिस का मेरे अंगने में भी उनकी चर्चित परफॉर्मेंस में शामिल हैं।

2000 के दशक में भी बिग बी ने सिंगिंग जारी रखी। उन्होंने अदनान सामी के साथ कभी नई, बागबान में होरी खेले रघुवीरा और मैं यहां तू वहांजैसे गाने किए। इसके अलावा उन्होंने बोल बच्चन का टाइटल ट्रैक, कहानी के लिए एकला चलो रे, वजीर का अतरंगी यारी, शमिताभ का पिडली सी बातें और 102 नॉट आउट में ऋषि कपूर के साथ बडुम्बा भी गाया।

जय जय राम में दिखा रणबीर-साई का दिव्य रूप, रिलीज होते ही छाया सिया-राम का जादू

रणबीर कपूर और साई पल्लवी की स्टारर फिल्म रामायण को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट है। फिल्म दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अब इसी बीच मेकर्स ने गणेश चतुर्थी के खास मौके पर फिल्म का पहला गाना जय जय राम रिलीज कर दिया है। अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल की आवाज से सजे इस गाने को दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है।

राम-सीता के विवाह की दिखी झलकः शेयर किए गाने में सीता स्वयंवर से लेकर राम-सीता के विवाह तक की झलक देखने को मिलती है। रणबीर कपूर को धनुष तोड़ते और इसके बाद साई पल्लवी के गले में जयमाला डालते हुए दिखाया गया है। गाने में खास बात यह है कि इस गाने के जरिए दर्शकों को रामायण की भव्य दुनिया की पहली झलक भी देखने को मिल रही है।

अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल की आवाज ने बढ़ाई खूबसूरती : जय जय राम को अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल ने अपनी आवाज दी है। वहीं गाने का संगीत ए।आर। रहमान ने तैयार किया है। गाने के राम-सिया औ रसिया-राम से जुड़े बोल इसे और भावुक कर देते हैं। रिलीज के साथ ही गाना सोशल मीडिया पर छा गया ।

गणेश चतुर्थी पर मेकर्स ने दिया खास तोहफाः मेकर्स ने रविवार देर रात गाने के रिलीज की घोषणा की थी। इसके बाद सोमवार सुबह सिया-राम पोस्टर जारी किया गया, जिसने फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ा दी। अब गणेश चतुर्थी के मौके पर जय जय राम रिलीज कर मेकर्स ने दर्शकों को खास तोहफा दिया है। गाना वर्ल्ड ऑफ रामायण के ऑफिशियल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। गाने को मिल रहे रिस्पॉन्स के बाद अब फैंस की नजरें फिल्म की रिलीज पर टिक गई हैं।

माधुली के रहस्य से पर्दा उठाने निकलेंगे पांडव

सोनी सब के धारावाहिक हस्तिनापुर के वीर में अब रहस्य और रोमांच का नया मोड़ आने वाला है। हस्तिनापुर लौटने के बाद पांडवों को दुशाला की संगीत शिक्षिका माधुली (प्राची ठाकुर) के व्यवहार पर संदेह होने लगता है। जरासंध (आभास मेहता) से बढ़ते खतरे को देखते हुए भीष्म पितामह (मनीष वधवा) युवा राजकुमारों को सुरक्षित रखने के लिए हस्तिनापुर वापस लाते हैं। हालांकि, खतरा पहले ही माधुली के रूप में राज्य तक पहुंच चुका है। माधुली दरअसल जरासंध द्वारा भेजी गई विषकन्या है, जो राजा धृतराष्ट्र (संदीप मोहन) के खिलाफ खतरनाक मिशन पर आई है। माधुली की संदिग्ध गतिविधियां पांडवों का शक गहरा देती हैं और वे उसकी असली मंशा का पता लगाने का फैसला करते हैं।

इस दौरान वे महल में छिपे एक खतरनाक रहस्य के करीब पहुंच जाते हैं। आगामी घटनाक्रम पर मनीष वधवा ने कहा कि भीष्म राजकुमारों को हस्तिनापुर वापस लाते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि मगध में जरासंध के खतरे के बीच वे यहां अधिक सुरक्षित रहेंगे। लेकिन उन्हें एहसास नहीं होता कि खतरा पहले ही माधुली के रूप में हस्तिनापुर पहुंच चुका है। एक संरक्षक के रूप में भीष्म हमेशा बच्चों को खतरे से दूर रखना चाहते हैं और उनके लिए यह चिंताजनक है कि वे अनजाने में राज्य के भीतर मौजूद खतरे के और करीब पहुंच रहे हैं। हस्तिनापुर के वीर सोनी सब पर सोमवार से शनिवार रात 9 बजे प्रसारित होता है।

बिग बॉस 20 : नॉमिनेशन टास्क रद्द होते ही घर में घमासान ,3 हुए नॉमिनेट

बिग बॉस 20 में इस हफ्ते नॉमिनेशन को लेकर बड़ा ट्विस्ट देखने को मिला है। घरवालों के लिए नॉमिनेशन टास्क कराया गया, लेकिन बाद में बिग बॉस ने इसे रद्द कर दिया। दरअसल, कुछ कंटेस्टेंट्स पर घर के अहम नियम का उल्लंघन करते हुए आपस में नॉमिनेशन को लेकर चर्चा करने का आरोप लगा। इसके बाद बिग बॉस ने चार सदस्यों को जमकर फटकार लगाई और तीन को सीधे नॉमिनेट कर दिया। इस फैसले के बाद घर में जमकर विवाद भी हुआ।

बिग बॉस ने रद्द किया नॉमिनेशन टास्कः अगले हफ्ते के नॉमिनेशन के लिए बिग बॉस ने घरवालों को टास्क दिया था। इसमें हर कंटेस्टेंट को दो सदस्यों का नाम बताना था, जिन्हें वह नॉमिनेट करना चाहता है। सभी घरवालों ने अपने-अपने नाम बताए और इसकी वजह भी बताई। हालांकि, टास्क पूरा होने के बाद बिग बॉस ने बड़ा फैसला लेते हुए पूरे नॉमिनेशन टास्क को ही रद्द कर दिया।

बिग बॉस ने कहा कि घर के कुछ सदस्यों ने नॉमिनेशन को लेकर आपस में चर्चा की, जो शो के नियमों के खिलाफ है। इस मामले में उन्होंने रोहेद खान, स्काउट ओपी, आसिफ खान और कैप्टन यंग डीएसए को जमकर फटकार लगाई।

रोहेद, आसिफ और स्काउट हुए नॉमिनेटः नियम तोड़ने की सजा के तौर पर बिग बॉस ने चारों को नॉमिनेट करने का फैसला सुनाया। हालांकि, घर के मौजूदा कैप्टन होने के कारण यंग डीएसए को नॉमिनेशन से छूट मिल गई। ऐसे में रोहेद खान, आसिफ खान और स्काउट ओपी इस हफ्ते सीधे नॉमिनेशन में पहुंच गए हैं।

नॉमिनेशन के बाद घर में छिड़ा घमासानः बिग बॉस के इस फैसले के बाद घर का माहौल गरमा गया। कनिका मान, गुल्लू और अमन गांधी ने रोहेद, स्काउट, आसिफ और यंग से नॉमिनेशन को लेकर चर्चा की। देखते ही देखते बातचीत तीखी बहस में बदल गई।

इस दौरान कनिका मान और यंग डीएसए के बीच जमकर तू-तू-मैं-मैं देखने को मिली। कनिका ने यंग पर आरोप लगाया कि वह घरवालों को लगातार नियमों का पाठ पढ़ाते हैं, जबकि खुद भी नियम तोड़ चुके हैं।

रद्द हुए टास्क में किसने किसे किया था नॉमिनेटः रद्द किए गए नॉमिनेशन टास्क में अमन गांधी ने लव गिल और आसिफ खान का नाम लिया था। अरिश्फा खान ने आम्रपाली दुबे और लव गिल को नॉमिनेट किया। आम्रपाली दुबे ने माही विज और अरिश्फा खान का नाम लिया। माही विज ने आम्रपाली दुबे और लव गिल को नॉमिनेट किया। कैप्टन यंग डीएसए ने अमन गांधी और कनिका मान का नाम लिया। ईशा रिखी ने उदिति सिंह और काजी तौकीर को नॉमिनेट किया।

वहीं, आसिफ खान ने अमन गांधी और उदिति सिंह, स्काउट ओपी ने उदिति सिंह और अमन गांधी, रोहेद खान ने अमन गांधी और गुल्लू, गुल्लू ने स्काउट ओपी और रोहेद खान, कनिका मान ने उदिति सिंह और स्काउट ओपी, जबकि काजी तौकीर ने आम्रपाली दुबे और ईशा रिखी का नाम लिया था।

भारत ने जीता जूनियर वूमंस एशिया कप, हॉकी के फाइनल मुकाबले में चीन को 1-0 से दी मात

एजेंसी/ मोकीः भारत ने रविवार को चीन को 1-0 से हराकर जूनियर वूमंस एशिया कप 2026 का खिताब जीत लिया। चीन के मोकी में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत के लिए सानिका चंद्रकांत माने ने 17वें मिनट में गोल किया, जो निर्णायक साबित हुआ। इस जीत के साथ भारतीय जूनियर वूमंस टीम ने लगातार तीसरी बार खिताब अपने नाम किया। साथ ही, टीम ने एफआईएच जूनियर वर्ल्ड कप के लिए भी क्वॉलिफाई कर लिया।

फाइनल जीतने के तुरंत बाद हॉकी इंडिया ने भारतीय टीम की हर खिलाड़ी के लिए तीन लाख रुपए के कैश प्राइज का ऐलान किया। सपोर्ट स्टाफ के लिए भी नकद पुरस्कार घोषित किया गया।

शाहरुख-सलमान से लेकर सैफ तक, बप्पा की भक्ति में डूबे सेलेब्स

देशभर में आज गणेश चतुर्थी धूमधाम से मनाया जा रहा है। आम लोगों के साथ साथ बॉलीवुड और टीवी जगत के सितारे भी बप्पा के स्वागत की तैयारियों में जुटे हैं। दस दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में फिल्मी सितारे पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लेते हैं।

शिल्पा शेट्टी, सोनू सूद समेत कई बॉलीवुड सितारे हर साल अपने घर गणपति बप्पा का स्वागत करते हैं। वहीं, मुस्लिम समुदाय से आने वाले कई फिल्म और टीवी कलाकार भी गणेश चतुर्थी के जश्न में शामिल होते हैं।

रायबकिना पहली बार बनी यूएस ओपन चैंपियन, वर्ल्ड नंबर-1, लगातार तीसरा खिताब जीतने से चूकीं सबालेंका

एजेंसी/ न्यूयॉर्कः कजाकिस्तान की एलेना रायबकिना ने बेलारूस की आर्यना सबालेंका को हराकर पहली बार यूएस ओपन खिताब जीत लिया। न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए फाइनल में रायबकिना ने सबालेंका को 6-4, 5-7, 6-2 से हराया। इस जीत के साथ रायबकिना ने अपना तीसरा वूमंस सिंगल्स ग्रैंड स्लैम खिताब जीता और सोमवार को आधिकारिक तौर पर वर्ल्ड नंबर-1 बन जाएंगी। हार के बाद निराश सबालेंका ने अपना रैकेट तोड़ दिया।

रायबकिना की जीत से सबालेंका का लगातार तीसरी बार यूएस ओपन चैंपियन बनने का सपना टूट गया। इसके साथ ही यूएस ओपन में उनकी 19 मैचों की जीत का सिलसिला भी खत्म हो गया। सबालेंका पिछले 99 हफ्तों से दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी थीं। रायबकिना ने इससे पहले 2022 में विंबलडन और 2026 में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। अब रायबकिना के पास करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने के लिए सिर्फ फ्रेंच ओपन का खिताब जीतना बाकी है।

46 करोड़ इनामः यूएस ओपन का खिताब जीतने पर रायबकिना को 55 लाख डालर यानी करीब 46 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि मिली। वहीं, उपविजेता सबालेंका को 28 लाख डालर मिले। रायबकिना ने जीत के बाद कहा कि उनके पास अपनी भावनाएं व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं। उन्होंने बताया कि वह पिछले 10 साल से न्यूयॉर्क आ रही हैं, लेकिन यहां उन्हें कभी ऐसी सफलता नहीं मिली थी।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में सेना के काफिले पर अटैक 23 सैनिकों की मौत, कई घायल

इस्लामाबाद/एजेंसी: पाकिस्तान के बलूचिस्तान क्षेत्र के लासबेला जिला में रविवार को सुरक्षा बलों पर बड़ा हमला हुआ है। यह हमला एन-25 राष्ट्रीय राजमार्ग पर किया गया, जहां पाकिस्तानी सेना का काफिला जा रहा था। इस हमले में 23 से ज्यादा जवानों के मारे जाने की आशंका है। कई अन्य जवान घायल भी बताए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, घटना लासबेला के कशारी इलाके में हुई। यहां फ्रंटियर फोर्स के करीब 15 वाहनों वाला काफिला चल रहा था। काफिले को निशाना बनाकर विस्फोट किया गया। विस्फोट के बाद एक सुरक्षा वाहन में आग लग गई।

घायल जवानों को सबसे पहले बेला शिविर पहुंचाया गया। बता दें कि लासबेला एन-25 बलूचिस्तान की सबसे महत्त्वपूर्ण सडकों में से एक है। यह राजमार्ग कराची को क्वेटा से जोड़ता है और प्रांत के कई रणनीतिक इलाकों से होकर गुजरता है। इसी रास्ते से सुरक्षा काफिले, आम यात्री और व्यापारिक वाहन भी चलते हैं। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब बलूचिस्तान में हिंसा पहले से बढ़ी हुई बताई जा रही है।

ब्रिक्स समिट के वेज डिनर मेन्यू पर राहुल गांधी का तंज, किरेन रिजिजू ने किया पलटवार

नई दिल्ली: ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान आयोजित डिनर के मेन्यू को लेकर सियासी घमासान शुरू हो गया है। दरअसल, दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स नेताओं और प्रतिनिधियों के लिए खास डिनर रखा था। इसमें सिर्फ शाकाहारी (वेज) खाना परोसा गया। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इस मेन्यू को लेकर सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि 80 फीसदी भारतीय नॉनवेज खाते हैं। राहुल गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया. उन्होंने लिखा, रिकॉर्ड के लिए, 80 फीसदी भारतीय नॉनवेज खाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय नॉनवेज खाना स्वादिष्ट होता है। इसके साथ ही उन्होंने अपनी बहन के छोले भटूरे की भी तारीफ की। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में ब्रिक्स नेताओं और प्रतिनिधियों के लिए डिनर आयोजित किया था। इस डिनर में कई तरह के शाकाहारी व्यंजन परोसे गए थे। मेन्यू में खांडवी, पनीर लबाबदार, गुच्ची मार्मिक, मिलेट पुलाव, मशरूम गलौटी और जलेबी शामिल थी। खाने पर भी राजनीति कर रही कांग्रेसःकेंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ब्रिक्स देशों के नेताओं को परोसे गए खाने के मेन्यू पर भी राजनीति कर रही है। ब्रिक्स नेताओं ने भारतीय शाकाहारी व्यंजनों का आनंद लिया। भारत के अलग-अलग हिस्सों की खान-पान की परंपराओं में कई तरह के स्वाद और पोषण वाले व्यंजन हैं।

सऊदी पर फिर बरसीं हूती मिसाइलें, मस्जिद को नुकसान; सैन्य अड्डा तबाह, अब तक 500 मौतों का दावा

एजेंसी/ रियाद: हूती विद्रोहियों का सऊदी अरब पर लगातार हमला जारी है। इस बार हूती विद्रोहियों के मिसाइल की चपेट में एक मस्जिद आ गई, इसके अलावा कई इमारते भी तबाह हो गई हैं। हूतियों ने यह अटैक सऊदी अरब के जजान प्रांत में किया है। सऊदी सिविल डिफेंस ने बताया कि शनिवार को यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के दक्षिणी जाजान इलाके में एक मिसाइल से हमला किया, जिसमें दो लोग घायल हो गए और एक मस्जिद टूट गई। इसके अलावा कई मस्जिदों को नुकसान पहुंचा। इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर माइग्रेशन और स्थानीय अधिकारियों के अनुसार सितंबर की शुरूआत में शुरू हुई इस लड़ाई में 500 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। सिविल डिफेंस के एक प्रवक्ता ने आम नागरिकों से जुड़ी जगहों को निशाना बनाने की हूती विद्रोहियों को कोशिशों को अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का खुला उल्लंघन बताया और कहा कि तय एमर्जेंसी प्रक्रियाओं को लागू कर दिया गया है। ईरान का समर्थन करने वाले हूती विद्रोहियों ने कहा कि उन्होंने दक्षिणी नज्रान प्रांत के शरूराह में सऊदी सैन्य अड्डे पर बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हमले में हथियारों के गोदामों और कमांड एंड कंट्रोल सेंटरों को निशाना बनाया गया और जिन जगहों पर हमला किया गया वे हमारे देश और लोगों के खिलाफ आक्रमण को अंजाम दे रही थीं।

रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट में खुलासा एलएसी पर कम हुई चीन की सैन्य मौजूदगी, उत्तरी सीमाओं पर करीब 10 ब्रिगेड तैनात

नई दिल्ली/बीजिंग : भारत-चीन सीमा को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। रक्षा मंत्रालय की 2025-26 की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2025 में उत्तरी सीमाओं पर चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (एलएसी) की तैनाती में बड़ी कमी दर्ज की गई। रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के सामने अपनी सैन्य मौजूदगी घटाई है और अब उत्तरी सीमाओं तथा पारंपरिक प्रशिक्षण क्षेत्रों में करीब 10 कंबाइंड आर्म्स ब्रिगेड के बराबर बल तैनात है।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि भारत की ओर से सभी एलएसी सेक्टर में सेना की तैनाती मजबूत बनी हुई है। भारतीय सेना किसी भी उभरती चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार और उचित स्थिति में है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत और चीन के बीच सकारात्मक राजनीतिक, कूटनीतिक और सैन्य

स्तर की बातचीत से उत्तरी सीमाओं पर स्थिति में अपेक्षाकृत स्थिरता आई है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि दोनों देशों के बीच सैन्य स्तर की बातचीत दोबारा शुरू हो चुकी है। इसमें अक्टूबर 2025 में पूर्वी लद्दाख में हुई 23वीं कोर कमांडर स्तर की बैठक भी शामिल है। सैन्य वाताओं के जरिए सीमा से जुड़े मुद्दों को सुलझाने और तनाव कम करने के प्रयास लगातार जारी हैं।

इसके अलावा चीनी पीएलए के साथ बॉर्डर पर्सनल मीटिंग (बीपीएम) भी सभी सेक्टर में जारी हैं। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इन बैठकों का माहौल सौहार्दपूर्ण रहा है और इनके जरिए दोनों पक्षों से जुड़े मुद्दों को उठाने और उनके समाधान की कोशिश की जा रही है।

रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट में ऑपरेशन सिंदूर का भी विशेष उल्लेख किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की मल्टी-डोमेन सैन्य क्षमता, खुफिया बढ़त, तकनीकी ताकत और तीनों सेनाओं की संयुक्त ऑपरेशनल तैयारियों को प्रदर्शित किया। ऑपरेशन के बाद भारतीय सेना ने अपनी क्षमताओं और कमियों का व्यापक आकलन भी किया। इसके आधार पर फोर्स रिस्ट्रक्चरिंग, तीनों सेनाओं के बीच बेहतर जॉइंटनेस और नई तकनीकों पर अधिक जोर दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बदलते सुरक्षा माहौल और उभरती चुनौतियों को देखते हुए भारतीय सेना अपनी ऑपरेशनल तैयारियों और सैन्य क्षमताओं को लगातार मजबूत कर रही है। भारत की ओर से छअउ पर मजबूत सैन्य तैनाती बनाए रखने के साथ चीन के साथ संवाद और सैन्य वार्ता के जरिए सीमा पर स्थिरता कायम करने की कोशिश जारी है।

गुरुग्राम में हिट एंड रनः महिला बाइकर के पीछे पड़ा कार सवार, नहीं रुकी तो मारी टक्कर

गुरुग्रामः गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स रोड पर रविवार को एक महिला बाइकर सिया को एक कार ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। टक्कर के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। टक्कर लगने से सिया अपनी मोटरसाइकिल से गिर गईं और उनकी बाइक सड़क पर कई मीटर तक घिसटती चली गई। पुलिस ने इस टक्कर मारकर भागने के मामले का संज्ञान लेते हुए वीडियो के आधार पर जांच शुरू कर दी है। सिया अपनी अप्रिलिया आरएस 457 स्पोर्ट्स बाइक पर अपने बाइकिंग समूह के साथ गोल्फ कोर्स रोड पर जा रही थीं। उन्होंने बताया कि राइड शुरू होने से ही एक कार में सवार लोग उनका पीछा कर रहे थे। उन्होंने दावा किया कि गाड़ी में बैठे लोगों ने आक्रामक व्यवहार किया और उनकी बाइक के करीब आने की कोशिश की।

सिया के अनुसार, कार उनके करीब आई और उसमें बैठे लोगों ने बदतमीजी शुरू कर दी। सिया ने उन्हें दूरी बनाए रखने को कहा, लेकिन उन्होंने उल्टा उन्हें बाइक रोकने के लिए कहा। सिया का आरोप है कि कार सवार नशे में लग रहे थे। कुछ देर बाद ही कार ने आगे निकलकर उनकी बाइक को साइड से टक्कर मार दी। इस घटना में सिया को सड़क पर गिरने से चोटें आईं। उन्होंने इस मामले की जानकारी अपने इंस्टाग्राम खाते पर साझा की है।

घटना का वीडियो और कार की पहचानः मामले का पूरा वीडियो सिया की बाइक पर लगे कैमरे से रिकॉर्ड हुआ है। यह वीडियो उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा किया है। वीडियो में कार द्वारा टक्कर मारने और बाइक के घिसटने का पूरा दृश्य साफ दिखाई दे रहा है। सिया ने कार की जानकारी भी साझा की है। कार का नंबर एचआर30वाई4949 है और पंजीकरण मालिक का नाम मनीष बताया जा रहा है।

पुलिस की कार्रवाईः गुरुग्राम पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई की है। पुलिस का कहना है कि सामाजिक माध्यम पर वायरल हुए वीडियो के आधार पर मामले का संज्ञान ले लिया गया है। पुलिस ने बताया कि घटना की गहनता से जांच की जा रही है। आरोपियों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है।

यह वीडियो ऑनलाइन काफी चर्चा में आ गया। सोशल मीडिया यूजर्स ने राइडर का समर्थन किया और ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कई यूजर्स ने दिल्ली पुलिस, गुरुग्राम पुलिस, गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस और हरियाणा पुलिस को टैग करके अधिकारियों से इस घटना की जांच करने की अपील की।

राजस्थान निकाय चुनाव में भाजपा का दबदबा, 163 सीटों पर किया कब्जा, कांग्रेस ने जीतीं 103 सीटें

जयपुर : राजस्थान के नगर निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने बड़ी जीत दर्ज करते हुए शहरी क्षेत्रों में अपना दबदबा कायम किया है। घोषित 309 सीटों के नतीजों में भाजपा ने 163 सीटों पर जीत हासिल की, जबकि कांग्रेस को 103 सीटों से संतोष करना पड़ा। निर्दलीय उम्मीदवारों ने 43 सीटों पर बाजी मारी। इस जीत के साथ 10 नगर निगमों, 47 नगर परिषदों और 252 नगर पालिकाओं में नई शहरी सरकारों के गठन का रास्ता साफ हो गया है।

नगर निकाय चुनाव के लिए मतगणना सोमवार सुबह 8 बजे शुरू हुई और पूरे राज्य में एक साथ वोटों की गिनती की गई। चुनाव 9 और 11 सितंबर को दो चरणों में कराए गए थे। दोनों चरणों में कुल 73.56 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो पिछले शहरी स्थानीय निकाय चुनाव के मुकाबले तीन प्रतिशत से अधिक रहा।

इन चुनावों में कुल 38,889 उम्मीदवार मैदान में थे। भाजपा ने 9,290 और कांग्रेस ने 9,027 उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारा था। निर्दलीय उम्मीदवारों की संख्या सबसे अधिक 18,732 रही। इनके अलावा राष्ट्रीय

लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के 948, आम आदमी पार्टी के 311, बहुजन समाज पार्टी के 298, माकपा के 185 और भारत आदिवासी पार्टी के 98 उम्मीदवारों ने भी चुनाव लड़ा।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के लिए ये निकाय चुनाव काफी अहम माने जा रहे थे। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में सत्ता हासिल करने के बाद भाजपा के सामने शहरी राजस्थान में अपनी पकड़ मजबूत करने की चुनौती थी। निकाय चुनाव के नतीजों से पार्टी को इस मोर्चे पर बड़ी सफलता मिली है। वहीं, कांग्रेस के लिए ये चुनाव विधानसभा चुनाव में हार के बाद अपने संगठन और जनाधार को परखने का महत्वपूर्ण मौका था। 103 सीटों पर जीत के बावजूद कांग्रेस भाजपा से काफी पीछे रही। निकाय चुनाव के नतीजे राजस्थान के शहरी इलाकों में मतदाताओं के रुझान के साथ-साथ दोनों प्रमुख दलों की वार्ड स्तर पर संगठनात्मक ताकत का भी संकेत दे रहे हैं।

भस्म आरतीः गणेश स्वरूप में सजे बाबा महाकाल भांग, रुद्राक्ष की माला और फूलों से भव्य श्रृंगार

उज्जैन/एजेंसीः श्री महाकालेश्वर मंदिर में भाद्रपद शुक्ल पक्ष की तृतीया और चतुर्थी तिथि पर, सोमवार को बाबा महाकाल की भस्म आरती की गई। इस अलौकिक दृश्य के साक्षी बनने के लिए मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

सोमवार तड़के भगवान वीरभद्र की आज्ञा लेने के बाद ढोल-नगाड़ों के साथ बाबा महाकाल के कपाट खोले गए। दिव्य शृंगार और भस्म आरती के बाद जैसे ही श्रद्धालुओं को बाबा के दर्शन हुए, पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल के उद्घोष से गूंज उठा। मंदिर परिसर घंटियों, शंखध्वनि और मंत्रोच्चार से गुंजायमान हो उठा।

महाकाल मंदिर के पट खुलने के

साथ ही मंत्रोच्चार के बीच भगवान महाकाल का जलाभिषेक कर दूध, दही, घी, शहद, और फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक किया गया। बाबा महाकाल की पूजा के दौरान प्रथम घंटाल बजाकर हरिओम जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा ने मुकुट धारण किया। इसके बाद झांझ-मंजीरे, ढोल-नगाड़े, और शंखनाद के साथ भस्म आरती की गई। बाबा महाकाल का भांग से गणेश स्वरूप में शृंगार किया गया। बाबा को रुद्राक्ष और फूलों की माला अर्पित की गई।

महाकाल मंदिर के पुजारी ने महाआरती संपन्न कराई। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल की भस्म आरती के दर्शन किए। अपने आराध्य देव के दर्शन पाने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु बीती रात से ही कतारबद्ध थे। भस्म आरती के दौरान पुरुषों के लिए पारंपरिक धोती-सोला और महिलाओं के लिए साड़ी पहनना अनिवार्य होता है।

परंपरा के अनुसार, महानिवार्णी अखाड़े की ओर से बाबा महाकाल को भस्म आरती अर्पित की जाती है। मान्यता है कि भस्म अर्पित किए जाने के बाद बाबा महाकाल निराकार से साकार रूप में दर्शन देते हैं। बाबा की इस आरती में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उज्जैन की पावन नगरी पहुंचते हैं।

सत्य निकेतन पीजी हादसा, आरोपी सुधांशु और शुभम त्यागी को 12 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली : दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में 6 सितंबर को पांच मंजिला पीजी इमारत गिरने के मामले में पटियाला हाउस कोर्ट ने आरोपी सुधांशु और शुभम त्यागी को 12 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपी हादसे में ढही इमारत में पीजी का संचालन कर रहे थे। पुलिस अब दोनों से हादसे को लेकर पूछताछ करेगी। उधर, सत्य निकेतन हादसे के बाद दिल्ली में पीजी भवनों की सुरक्षा को लेकर कराए गए सर्वे में कई इमारतों में खामियां सामने आई हैं। सर्वे के दौरान 2250 पीजी की जांच की गई, जिनमें 138 इमारतों में मरम्मत की जरूरत पाई गई। इनमें सबसे ज्यादा 90 पीजी दक्षिणी जोन में हैं। इन पीजी में करीब 47 हजार लोग रहते हैं। सर्वे में चार इमारतों को खतरनाक घोषित किया गया है।

सत्य निकेतन में पीजी इमारत गिरने की घटना के बाद दिल्ली हाईकोर्ट ने एमसीडी को एक सप्ताह के भीतर पीजी भवनों का सुरक्षा ऑडिट करने का निर्देश दिया था। अदालत ने एमसीडी से यह भी जानकारी मांगी थी कि पीजी आवासों के संचालन के लिए एमसीडी के अलावा कौन-कौन सी नियामक व्यवस्थाएं लागू हैं।

सरकार के पीछे पड़े कॉकरोच, अभिजीत दीपके का बड़ा ऐलान- फिर शुरू होगा आंदोलन

,6,बॉटम

मुंबईः कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) की ऑनलाइन परीक्षाओं में कथित पेपर लीक और अन्य अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलन में शामिल होने का ऐलान किया है। पार्टी ने एमपीएससी के अध्यक्ष और सचिव के इस्तीफे की मांग को लेकर चल रहे अभ्यर्थियों के प्रदर्शन को समर्थन देने की घोषणा की है। सीजेपी ने कहा है कि मांग पूरी नहीं होने पर राज्यव्यापी आंदोलन को आगे बढ़ाया जाएगा।

सीजेपी की ओर से रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, अभिजीत दीपके और पार्टी के अन्य नेता एमपीएससी अभ्यर्थियों के प्रदर्शन में शामिल होंगे। इससे पहले एमपीएससी की तैयारी कर रहे कुछ अभ्यर्थियों ने छत्रपति संभाजीनगर के

वालुज स्थित दीपके के आवास पर उनसे मुलाकात की थी।

24 सितंबर तक का अल्टीमेटमः पार्टी ने कहा कि एमपीएससी अध्यक्ष और सचिव के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन जारी रहेगा। यदि 24 सितंबर तक मांग पूरी नहीं हुई तो दीपके एमपीएससी अभ्यर्थियों से बातचीत के लिए राज्यव्यापी दौरा करेंगे। अभ्यर्थियों से मुलाकात के बाद जारी वीडियो संदेश में दीपके ने कहा कि सीजेपी इस लड़ाई में छात्रों के साथ खड़ी है और मांग पूरी होने तक उनका समर्थन जारी रहेगा।

प्रथमेश देशमुख की आत्महत्या के बाद गरमाया मुद्दाः एमपीएससी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे 28 वर्षीय प्रथमेश देशमुख की पुणे में आत्महत्या के बाद यह मामला और चर्चा में आया। पुलिस को मिले सुसाइड नोट में करीब 2.5 लाख रुपये के कर्ज का उल्लेख होने की बात सामने आई थी। इसके बाद सीजेपी ने महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधते हुए दावा किया कि प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, बेरोजगारी और आर्थिक दबाव के कारण युवाओं में निराशा बढ़ रही है।

दीपके ने प्रथमेश के परिजनों से भी मुलाकात की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं पर पेपर लीक और परीक्षा परिणामों में देरी का अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। दीपके ने इसे व्यवस्था की विफलता करार देते हुए सरकार से युवाओं की समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान देने की मांग की।

जंतर-मंतर आंदोलन के दूसरे चरण का किया था संकेतः इससे पहले दीपके ने प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए आंदोलन के दूसरे चरण का संकेत दिया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि भाजपा सरकार युवाओं के मुद्दों से चिंतित है और देशभर में प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े मामलों को लेकर फिर आंदोलन शुरू किया जा सकता है।

जरांगे के आंदोलन को भी दिया समर्थनः इस बीच अभिजीत दीपके ने मराठा आरक्षण समेत विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे मनोज जरांगे को भी समर्थन दिया है। दीपके ने पिछले शुक्रवार को जरांगे से मुलाकात के बाद महाराष्ट्र सरकार से उनके साथ बातचीत करने की अपील की। उन्होंने सरकार पर युवाओं और शिक्षा से जुड़े मुद्दों की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

दीपके ने कहा कि सरकार को आंदोलनकारियों की मांगों को समझने के लिए संवाद का रास्ता अपनाना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब राजनीतिक नेताओं के पास अन्य लोगों से मुलाकात का समय है, तो जरांगे से बातचीत क्यों नहीं की जा रही। उन्होंने चेतावनी दी कि जरांगे के खिलाफ किसी तरह की कार्रवाई से महाराष्ट्र में व्यापक प्रतिक्रिया हो सकती है।

न्यूज IN ब्रीफ

सम्राट चौधरी ने हिन्दी दिवस की शुभकामनायें दी

पटना : मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हिन्दी दिवस के अवसर पर हार्दिक शुभकामनायें दी। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि भारत विविधताओं का देश है, जहां अनेक भाषाएं बोली जाती हैं। हिन्दी देश में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। हिन्दी भाषा देश के सभी लोगों को एकता के सूत्र में बांधती है। राष्ट्र को एकजुट रखने में हिन्दी का बहुत बड़ा योगदान है। हिन्दी हमारी राष्ट्रीय अस्मिता की पहचान तथा जनमानस की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने राजभाषा हिन्दी के चतुर्दिक विकास की कामना की है।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि बिहार में राजभाषा के रूप में हिन्दी सरकारी कामकाज की भाषा है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि अपने कामकाज में हिन्दी को ही माध्यम के रूप में अपनाएं तथा गर्व एवं सम्मान के साथ हिन्दी सीखें, समझें एवं प्रयोग में लायें।

मुख्यमंत्री ने गणेश चतुर्थीपर प्रदेश व देशवासियों को दी बधाई

पटना : मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनायें दी। मुख्यमंत्री ने गणेश चतुर्थी को आपसी भाईचारा, पारस्परिक प्रेम, सामाजिक सौहार्द्र एवं शान्तिपूर्ण सद्भाव के साथ मनाने की अपील की है।

मुख्यमंत्री ने हरितालिका तीज पर दी शुभकामनायें

पटना : मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने हरितालिका तीज के पावन अवसर पर बिहारवासियों, विशेषकर माताओं एवं बहनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि हरितालिका तीज भारतीय संस्कृति और आस्था से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। इस अवसर पर सुहागिन महिलाएं अपने पति की दीघार्यु, सुख-समृद्धि एवं परिवार की खुशहाली की कामना के साथ व्रत एवं पूजा-अर्चना करती हैं।

मुख्यमंत्री ने कामना की है कि हरितालिका तीज के पावन अवसर पर बिहारवासियों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं सौहार्द्र का संचार हो तथा बिहार निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़े। उन्होंने सभी बिहारवासियों को हरितालिका तीज की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए पर्व को श्रद्धा, प्रेम और उल्लास के साथ मनाने की अपील की।

गंभीर अनियमितताओं पर रीमा सेवा सदन सील, दो महिला मरीज मिलीं भर्ती

मेदिनीनगर : सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय पांडे के नेतृत्व में रविवार शाम सदर अस्पताल के सामने स्थित रीमा सेवा सदन का औचक निरीक्षण कर उसे तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। सिविल सर्जन अनिल कुमार श्रीवास्तव के अनुसार, जनशिकायतों के सत्यापन के दौरान संस्थान में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। निरीक्षण में चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी अनुपस्थित मिले। ओटी (ऑपरेशन थिएटर) रजिस्टर, इंडोर रजिस्टर, डिस्चार्ज रजिस्टर सहित आवश्यक अभिलेख उपलब्ध नहीं थे। बायोमेडिकल वेस्ट (बीएमडब्ल्यू) के निस्तारण की व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं मिली। फायर सेफ्टी उपकरणों का अभाव, परिसर एवं ओटी में गंदगी, एनेस्थीसिया वर्क स्टेशन की कमी तथा ओटी लैंप के स्थान पर सामान्य एग्जामिनेशन लैंप का इस्तेमाल पाया गया। ओटी टेबल गंदा, क्षतिग्रस्त और फटा हुआ मिला। आपातकालीन चिकित्सा स्थिति से निपटने के लिए जरूरी उपकरण व दवाएं भी उपलब्ध नहीं थीं। इसके अलावा बिना वैध लाइसेंस के दवा दुकान संचालित किए जाने की बात भी निरीक्षण में सामने आई।मरीजों की सुरक्षा और जनस्वास्थ्य को गंभीर खतरा देखते हुए प्रशासन ने पूरे परिसर को सील कर दिया। सीलिंग के दौरान रीमा सेवा सदन में दो महिला मरीज भर्ती पाई गईं।

घर का ताला तोड़ एक लाख के सामान की चोरी

धनबाद : तेलमच्चो निवासी पतिलाल महतो की पत्नी रूना देवी के घर का ताला तोड़कर अपराधियों ने रविवार को लगभग एक लाख रुपए की संपत्ति की चोरी कर ली। सूचना मिलते ही महुदा थाना प्रभारी पवन चंद्र पाठक घटनास्थल पर पहुंचे और गृहस्वामिनी से आवश्यक जानकारी लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। रूना देवी के पुत्र मनपूरन साव ने बताया कि उनकी मां घर में अकेली रहती हैं। परिवार के अन्य सदस्य दूसरे घर में रहते हैं। रविवार को रूना देवी अपने घर में ताला लगाकर युधिष्ठिर महतो के घर चली गई थीं। संध्या करीब 6 बजे जब वह लौटीं तो घर का ताला टूटा हुआ मिला। बक्सा आदि खुले थे और सामान बिखरा था। जांच करने पर पता चला कि घर से सोने व चांदी के जेवर तथा 15 हजार रुपए नकद गायब हैं। चोरी गए सामान की कीमत करीब एक लाख रुपए है। रूना देवी आंगनबाड़ी केंद्र में सहायिका के पद पर कार्यरत हैं।

केंदुआडीह व पुटकी थाना के प्रभारी ने पदभार ग्रहण किया

धनबाद : केंदुआडीह थाना में पुलिस निरीक्षक शशि रंजन कुमार व पुटकी थाना में पुलिस निरीक्षक मुकेश चौधरी ने बतौर प्रभारी पदभार ग्रहण किया। पुटकी थाना में नव पदस्थापित पुलिस निरीक्षक मुकेश चौधरी निवर्तमान पुलिस निरीक्षक वकार हुसैन से पदभार ग्रहण किया। केंदुआडीह थाना प्रभारी शशि रंजन कुमार ने कहा कि उनकी प्राथमिकता क्षेत्र में विधि-व्यवस्था को दुरुस्त बनाए रखना होगी। साथ ही पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्य किया जाएगा, ताकि लोगों की समस्याओं का समय पर समाधान हो सके।

गणेश चतुर्थी पर भक्ति में हुआ माहौल, श्रद्धालुओं ने की भगवान गणेश की पूजा अर्चना

संवाददाता

गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर शहर सहित विभिन्न क्षेत्रों में भक्ति में माहौल देखने को मिला श्रद्धालुओं ने विधि विधान के साथ भगवान श्री गणेश की पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि शांति एवं खुशहाली की कामना की।

पूजा अर्चना के साथ बच्चों एवं युवाओं में भी खासा उत्साह देखने को मिला श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की आरती कर सभी के मंगलमय जीवन की प्रार्थना की गणेश चतुर्थी का यह पर्व लोगों को आपसी प्रेम भाईचारे एवं एकता का संदेश देता है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने कहा कि भगवान गणेश विघ्नहर्ता है और उनकी पूजा करने से जीवन में सुख शांति एवं समृद्धि आती है पूरे क्षेत्र में श्रद्धा एवं उल्लास के साथ गणेश उत्सव मनाया गया।

चक्रधरपुर के मुनि बाबा धर्मशाला में भगवान गणेश विराजे, हुई पूजा अर्चना

बिनय मिश्रा

चक्रधरपुर के ऐतिहासिक धरोहर और प्राचीनस्थल के रूप में पहचाने जाने वाला मुनि बाबा धर्मशाला में भगवान गणेश की पूजा अर्चना हर्षोल्लास उमंग और उत्साह के साथ संपन्न हुआ चक्रधरपुर के प्रख्यात पुजारी अनंत कुमार पाठक के द्वारा पूर्ण रूपेण विधिवद रूप से भगवान गणेश की वंदना और पूजार्चना की गई न्यू किशोर संघ समिति की ओर से आयोजित भगवान गणेश की पूजा अर्चना 1946 स्थापित है और इस प्रकार से इस बार गणेश पूजन का 80वां वर्ष पूर्ण हो चला है इस प्रकार से इस ऐतिहासिक और पौराणिक भगवान गणेश की पूजा अर्चना के प्रति लोगों की श्रद्धा निष्ठा और आस्था देखते ही बनती है प्रतिदिन संध्या बेला में इस स्थल पर आयोजित आरती

काफी अलौकिक और भव्य होता है जिसमें सैकड़ो की संख्या में भक्तजन और श्रद्धालु गण उपस्थित होकर भगवान गणेश की वंदना करते हैं इस प्रकार से भगवान गणेश की मुनी बाबा धर्मशाला में पूजा अर्चना पूरे क्षेत्र के लिए भक्ति श्रद्धा और निष्ठा का प्रतीक है।

चंदवा में लोहा स्क्रैप चोरी का खुलासा, तीन गिरफ्तार

5 टन चोरी का लोहा स्क्रैप, पिकअप वैन और दो बाइक बरामद

संवाददाता

चंदवा : चंदवा थाना पुलिस ने लोहा स्क्रैप चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का करीब 5 टन लोहा स्क्रैप, एक पिकअप वैन और दो मोटरसाइकिल बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई चंदवा थाना कांड संख्या 171/26, धारा 303(2)/317(2)/3(5) बीएनएस के तहत की गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विकास उरांव उर्फ दामोदर, मैनाथ गंझू निवासी चतरो और रवि कुमार सिंह निवासी महुवामिलान के रूप में हुई है।

पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मामले में पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई एवं जांच जारी है।

शेखपुरा में बाढ़-जलजमाव को लेकर प्रशासन अलर्ट, 13 नावें संचालित

शेखपुरा : जिले में बाढ़ और जलजमाव की स्थिति के मद्देनजर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी है। प्रशासन की ओर से नदी के जलस्तर और जलजमाव की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गंगा और किऊल नदियों के जलस्तर में गिरावट का रुझान देखा जा रहा है। वहीं, हरोहर नदी का जलस्तर करीब 46 मीटर पर स्थिर है। टाल क्षेत्र में भी पानी के स्तर में कमी आने की स्थिति बनी हुई है। प्रशासन के अनुसार आगामी दिनों में जलस्तर में और कमी आने की संभावना है।

13 नावों का निःशुल्क परिचालन : हरोहर नदी के बढ़े जलस्तर को देखते हुए प्रभावित क्षेत्रों में लोगों के आवागमन की सुविधा के लिए 13 नावों का निःशुल्क परिचालन कराया जा रहा है। प्रशासन का प्रयास है कि जलजमाव के कारण लोगों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

236 क्विंटल पशु चारा वितरित

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं के लिए भी राहत की व्यवस्था की गई है। पशुपालन कार्यालय, शेखपुरा द्वारा अब तक 236 क्विंटल पशु चारा वितरित किया जा चुका है।

1,100 लोगों को मिली चिकित्सा सुविधा

प्रभावित इलाकों में चिकित्सा दल लगातार लोगों तक पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं। अब तक करीब 1,100 लोगों को आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई जा चुकी हैं।

11 टैंकरों से पेयजल की आपूर्ति

जलजमाव प्रभावित क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (ढलएऊ) द्वारा करीब 11 टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति की जा रही है। अब तक 57 ट्रिप किए जा चुके हैं।

250 प्लास्टिक शीट का वितरण : जरूरतमंद परिवारों के बीच अब तक 250 प्लास्टिक शीट वितरित की जा चुकी हैं। जिला प्रशासन ने बताया कि पर्याप्त मात्रा में प्लास्टिक शीट का स्टॉक उपलब्ध है और आवश्यकता के अनुसार इसका वितरण किया जाएगा।

चुनावी वादों की चिता पर श्मशान शेड का इंतजार

दो साल बाद भी अधूरा वादा, अंतिम संस्कार में ग्रामीणों को परेशानी

संवाददाता

लातेहार : शहर के किनामाड़ स्थित दूध फैक्ट्री के समीप श्मशान घाट में शेड नहीं होने से ग्रामीणों को अंतिम संस्कार के दौरान परेशानी झेलनी पड़ रही है। बारिश हो या तेज धूप, लोगों को खुले आसमान के नीचे अंतिम संस्कार करना पड़ता है।

ग्रामीणों का कहना है कि चुनाव के दौरान जनप्रतिनिधियों ने श्मशान घाट में शेड समेत कई मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का भरोसा दिया था। चुनाव बीते करीब दो वर्ष हो चुके हैं, लेकिन अब तक शेड का निर्माण नहीं हो सका है। फॉरेस्ट कॉलोनी, बिजली कॉलोनी, चंदनडीह समेत आसपास के कई इलाकों के लोग इसी घाट का उपयोग करते हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि शेड निर्माण को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से गुहार लगायी गयी, लेकिन आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला। ग्रामीणों ने सांसद, विधायक व स्थानीय जनप्रतिनिधियों से जल्द शेड निर्माण कराने की मांग की है।

ग्रामीणों का सवाल है कि जब अंतिम विदाई जैसी मानवीय जरूरत के लिए भी दो साल तक इंतजार करना पड़े, तो चुनावी वादों और विकास के दावों की जमीनी हकीकत क्या है?

नगरीकला की 3.73 एकड़ भूमि अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग

संवाददाता

धनबाद : बाघमारा प्रखंड के नगरीकला मौजा की 3.73 एकड़ भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग को लेकर रविवार को नगरीकला बस्ती के शिव मंदिर प्रांगण में ग्रामीणों की बैठक हुई। पहाड़ी धार, नायकडीह, रंगलीटांड़, अहरी टोला, हरिजन टोला व कुम्हार टोला समेत आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। ग्रामीणों ने कहा कि उक्त भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं होने दिया जाएगा।

उन्होंने सरकार व जिला प्रशासन से भूमि के दस्तावेजों और राजस्व अभिलेखों की निष्पक्ष जांच कर स्थिति स्पष्ट करने तथा अतिक्रमण मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि शीघ्र कार्रवाई नहीं होने और भूमि विवाद के समाधान के लिए कानूनी प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ाए जाने पर लोकतांत्रिक तरीके से सड़क पर उतरकर खटिया-बटिया आंदोलन किया जाएगा।

आंदोलन को संगठित करने के लिए विभिन्न टोला व क्षेत्रों से 25 सदस्यीय संयोजक मंडली गठित की गई। साथ ही मामले को लेकर झारखंड उच्च न्यायालय में जनहित याचिका (पीआईएल) दायर करने का निर्णय लिया गया। बैठक में पूर्व मुखिया नरेश महतो, बनमाली महतो, झरी महतो, हरि महतो, प्रेमचंद महतो, सुभाष महतो, लखन महतो, संजय दास, रंजीत कुड़मी, सोहन महतो, मनोज कुम्हार, राज कपूर बाउरी, अधिवक्ता किशुन तुरी, पंकज कुमार साव, ललित महतो, सुरेंद्र महतो, टुनटुन महतो, मनोहर महतो, लोकनाथ महतो सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की अंतिम तिथि 15 सितंबर

बरडीहा, गढ़वा : मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, नाम एवं विवरण में सुधार कराने तथा नाम हटाने से संबंधित प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है। प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अतिरिक्त सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी प्रवीण कुमार सिंह ने सभी पात्र भारतीय नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर मतदाता सूची में अपना नाम एवं दर्ज विवरण की भली-भांति जांच कर लें और आवश्यकता के अनुसार संबंधित प्रपत्र समय पर जमा करें।

उन्होंने बताया कि मतदाता सूची में नया नाम जुड़वाने के लिए प्रपत्र-6 का उपयोग किया जाएगा। इसके माध्यम से एक मतदान केंद्र से दूसरे मतदान केंद्र, एक विधानसभा क्षेत्र से दूसरे विधानसभा क्षेत्र अथवा एक राज्य से दूसरे राज्य में नाम स्थानांतरित कराने की प्रक्रिया भी पूरी की जा सकती है। मतदाता सूची में दर्ज नाम, पता अथवा अन्य विवरण में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर सुधार के लिए प्रपत्र-8 जमा किया जा सकता है। वहीं, मतदाता सूची में किसी नाम के शामिल किए जाने पर आपत्ति दर्ज कराने अथवा किसी नाम को सूची से हटाने के लिए प्रपत्र-7 का उपयोग किया जाएगा। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत तैयार की जाने वाली मतदाता सूची को स्थायी अभिलेख के रूप में संरक्षित किया जाता है।

पलामू में सवर्ण समाज समागम का होगा आयोजन

मेट्रोरेज संवाददात

मेदिनीनगर : मेदिनीनगर मे सवर्ण समाज को व्यापक स्तर पर एकजुट करने तथा समाज के विभिन्न तबकों को एक साझा मंच पर लाने के उद्देश्य से सवर्ण समाज समागम आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। रविवार को सद्दीक चौक स्थित त्रिपाठी इंटरनेशनल होटल में आयोजित सवर्ण समाज की महत्वपूर्ण बैठक में इस संबंध में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

बैठक में तय किया गया कि प्रस्तावित समागम को व्यापक स्वरूप देने के लिए समाज के सभी तबकों, प्रतिनिधियों एवं प्रबुद्धजनों से संवाद स्थापित किया जाएगा। विभिन्न स्तरों पर विचार-विमर्श एवं व्यापक सहमति के बाद समागम की तिथि की औपचारिक घोषणा की जाएगी।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों के बीच समन्वय, संवाद और एकजुटता को मजबूत करने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण है। प्रस्तावित समागम केवल औपचारिक आयोजन न होकर सामाजिक विषयों पर गंभीर विमर्श, आपसी समन्वय और भविष्य की रणनीति तय करने का साझा मंच होगा।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि समागम को सफल बनाने के लिए समाज के विभिन्न क्षेत्रों में संपर्क अभियान चलाया जाएगा तथा अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता संतोष शुक्ला ने की, जबकि संचालन नवीन तिवारी ने किया।

बैठक में संतोष तिवारी पिंकू, अमर सहाय, अमित सिन्हा, मुरारी पांडेय, रंजीत नारायण पाण्डेय, विक्रांत त्रिपाठी,संजय मिश्रा,अजय तिवारी,रवि ओझा,अभय सिंह डिंपल,वेद प्रकाश शर्मा,सुरेंद्र तिवारी,पिंकू पाठक,विनय सिन्हा,आशीष सिंह,नीरज दूबे,सुदीप पाण्डेय,आनंद प्रकाश दूबे,प्रदीप दूबे,अमर दास,राकेश तिवारी,आशुतोष तिवारी एवं प्रेमचंद दूबे सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।